मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 103
गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

2020 में भारत-चीन सीमा पर टकराव के बाद पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने पहली द्विपक्षीय बैठक की

कजान, 23 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बुधवार को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बैठक कर रहे हैं। यह बैठक पांच साल बाद हुई और भारत-चीन के बीच हुई घातक झड़प के बाद पहली बैठक थी, जिसमें कम से कम 20 भारतीय सैनिक मारे गए थे। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के लिए दोनों पक्षों के बीच समझौते के कुछ दिनों बाद यह महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी।

हालांकि दोनों को कम से कम दो बार संक्षिप्त बातचीत का अवसर मिला था-- पहली बार, नवंबर 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी20 शिखर सम्मेलन के इतर और फिर अगस्त 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, नेताओं ने कोई अलग बैठक नहीं की थी। संक्षिप्त बातचीत के दौरान, दोनों ने LAC पर सैन्य गतिरोध को हल करने के प्रयासों को बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों - दोनों परमाणु शक्तियां - के बीच संबंध तब से तनावपूर्ण हैं जब से लद्दाख के पश्चिमी हिमालय में बड़े पैमाने पर अनिर्धारित सीमा पर उनके सैनिकों के बीच झड़प हुई थी जिसमें 2020 में 20 भारतीय और चार चीनी सैनिक मारे गए थे। पड़ोसियों ने बफ़र्ली सीमा पर अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है, पिछले चार वर्षों में दसियों हजार सैनिकों और हथियारों को जोड़ा है।

सरकार दो साल के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के साथ सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाएगी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को घोषणा की कि सरकार देश में सरदार वल्लभभाई पटेल के उल्लेखनीय योगदान का सम्मान करने के लिए 2024 से 2026 तक दो साल के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के साथ उनकी 150वीं जयंती मनाएगी।

शाह ने कहा कि दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक की स्थापना के दूरदर्शी शिल्पकार के रूप में सरदार पटेल की स्थायी विरासत और कश्मीर से लक्षद्वीप तक भारत को एकजुट करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका अमिट है।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उनके उल्लेखनीय योगदान का सम्मान करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार 2024 से 2026 तक दो साल के राष्ट्रव्यापी उत्सव के साथ उनकी 150वीं जयंती मनाएगी।

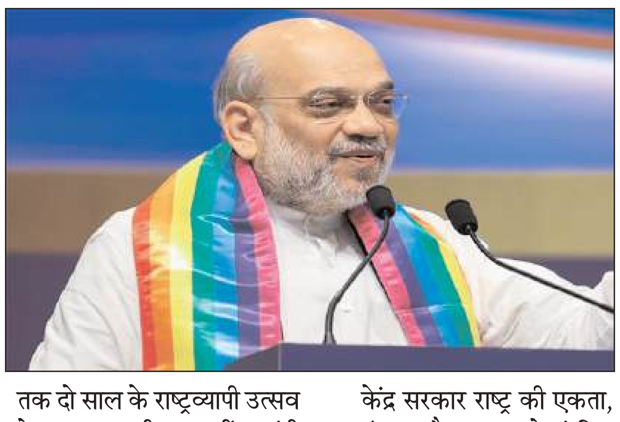

गृह मंत्री ने कहा कि यह उत्सव सरदार पटेल की उल्लेखनीय उपलब्धियों और एकता की भावना के प्रमाण के रूप में काम करेगा, जिसके वह प्रतीक थे। पटेल का जन्म गुजरात के नडियाद में 31 अक्टूबर 1875 को हुआ था।

केंद्र सरकार राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को संरक्षित और मजबूत करने में सरदार पटेल के समर्पण को रेखांकित करते हुए 2014 से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मना रही है। भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री के रूप में पटेल को 550 से अधिक रियासतों के भारत संघ में विलय का श्रेय दिया जाता है।

केरल में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत

केरल, 23 अक्टूबर। केरल में पलक्कड़-कोझिकोड राष्ट्रीय राजमार्ग पर अय्यप्पनकावु के पास एक कार और लॉरी के बीच टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा मंगलवार रात 11 बजे हुआ। उसने बताया कि पलक्कड़ से आ रही कार की विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कार लॉरी में फंस गई थी।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान के. के. विजेश (35), रमेश (31), विष्णु (30) और मोहम्मद अफसल (17) के रूप में हुई है। एक शव की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार विजेश ऑटो-रिक्शा चालक है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार पांच लोगों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य को पलक्कड़ जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन आपातकालीन वार्ड में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शवों को पलक्कड़ जिला अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। पुलिस को संदेह है कि भारी बारिश के कारण कार चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और कार कोयंबटूर की ओर जा रही लॉरी से टकरा गई। पुलिस ने बताया कि इस हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी और वाहन को काटकर लोगों को बाहर निकाला गया।

उसने बताया कि इस हादसे में लॉरी चालक को मामूली चोट आई हैं। वह तमिलनाडु का निवासी है। इस दुर्घटना के मद्देनजर राजनीतिक दलों ने पलक्कड़ विधानसभा उपचुनाव के लिए चुनाव-प्रचार अभियान बुधवार दोपहर तक स्थगित कर दिया है।

प्रियंका गांधी ने वायनाड से भरा उपचुनाव के लिए नामांकन

वायनाड, 23 अक्टूबर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बुधवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में केरल के वायनाड उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के मौके पर सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। प्रियंका ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में वायनाड संसदीय उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। इसी के साथ एक्टिव राजनीति में सीधे तौर पर प्रियंका गांधी की एंट्री हो गई है।

नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और कई अन्य नेता भी मौजूद थे। उन्होंने कलपेट्टा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन से पहले राहुल गांधी और प्रियंका ने केरल के कलपेट्टा शहर में एक रोड शो किया है। इस दौरान उन्होंने एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। इस रैली में प्रियंका गांधी ने कठिन समय में अपने भाई का समर्थन करने के लिए वायनाड के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रियंका गांधी ने रैली के दौरान कहा, इन मूल्यों (सत्य और अहिंसा) ने मेरे भाई को प्रेम और एकता के लिए भारत भर में 8000 किलोमीटर पैदल चलने के लिए प्रेरित किया... वह आपके समर्थन के बिना ऐसा नहीं कर सकता था... आप मेरे भाई के साथ तब खड़ी रहीं, जब पूरी दुनिया उनसे मुंह मोड़ रही थी... आपने उन्हें लड़ते रहने की ताकत और हिम्मत दी... मेरा पूरा परिवार हमेशा आपका ऋणी और आभारी रहेगा... मुझे पता है कि उन्हें आपको छोड़ना पड़ा और मैं वादा करती हूं कि मैं आपके और उनके बीच के बंधन को और मजबूत करूंगी।

राहुल गांधी ने वायनाड के लोगों से अपनी बहन पर भरोसा जताने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि वह उनकी आवाज बनेंगी। उन्होंने कहा, मेरे हाथ में मेरी बहन द्वारा बनाई गई राखी है और मैं इसे तब तक नहीं उतारता जब तक यह टूट न जाए। राखी भाई द्वारा अपनी बहन की सुरक्षा का प्रतीक है। इसलिए मैं वायनाड के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे मेरी बहन का ख्याल रखें और मेरी बहन की रक्षा करें। वह अपनी पूरी ऊर्जा वायनाड के लोगों और समस्याओं की देखभाल में लगा देंगी।

वायनाड सीट लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा खाली कर दी गई थी, जिन्होंने रायबरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को बरकरार रखा। गांधी का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार नव्या हरिदास और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के उम्मीदवार सत्यन मोकेरी से है।

पंजाब शिक्षा में क्रांति की दहलीज पर है: भगवंत मान

पंजाब, 23 अक्टूबर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कहा कि उनका राज्य शिक्षा क्षेत्र में क्रांति की दहलीज पर है। उन्होंने कहा कि राज्यभर के सरकारी विद्यालयों में आयोजित मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में 27 लाख माता-पिता ने हिस्सा लिया। मान ने कहा कि राज्य सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए आठ हाई-टेक केंद्र खोल रही है। उन्होंने कहा कि ये केंद्र युवाओं को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा पास करने के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करेंगे उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि लगभग 27 लाख अभिभावकों ने पीटीएम में अपने बच्चों को दी जाने वाली

पढ़ाई, माहौल, पाठ्यक्रम और अन्य चीजों के बारे में जानकारी की। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षकों को स्कूलों में छात्रों के प्रदर्शन को समझाने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह एक आदर्श बदलाव है क्योंकि इस तरह के पीटीएम का निजी स्कूलों में तो नियमित चलन था, लेकिन सरकारी स्कूलों में यह चलन नहीं था। उन्होंने कहा कि यह छात्रों की भलाई के लिए यहां अपनाई जा रही शिक्षा की सर्वोत्तम प्रथाओं में से एक है।

आज से शुरू होगा मिट्टी के जादूगरों का मेला, दिखेगा हाथों का हुनर

सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपावली के अवसर पर यूपी माटीकला बोर्ड, वाराणसी द्वारा 24 से 30 अक्टूबर तक सात दिवसीय माटीकला मेला का आयोजन किया जा रहा है। शहर के चौकाघाट सांस्कृतिक संकुल प्रांगण के अर्बन हॉट में आयोजित इस मेले का उद्घाटन 24 अक्टूबर गुरुवार को सायं 7:00 एमएलसी धर्मेंद्र राय करेंगे। मकसद है प्रजापति समाज के उत्थान के लिए दीपावली के मौके पर उनके समानो की बिक्री बढ़ाने व आय में वृद्धि हेतु एक छत के नीचे उपभोक्ताओं को ह्मटीकला के विभिन्न उत्पादों को मुहैया कराना।

मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये शिल्पकारों एवं कारीगरों द्वारा 50 से ज्यादा स्टॉल

शिल्पकारों की प्रदर्शनी में एक से बढ़कर एक उत्पाद ग्राहकों का मन मोह रहे हैं

लगाकर मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी उद्घाटन अवसर पर उमेश कुमार सिंह संयुक्त आयुक्त उद्योग जिला उद्योग एवं उद्यमिता प्रोत्साहन केन्द्र वाराणसी मंडल, एसपी खण्डेलवाल निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, मोहन कुमार शर्मा, उपायुक्त जिला उद्योग एवं उद्यमिता प्रोत्साहन केन्द्र के साथ उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड वाराणसी मण्डल वाराणसी के समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

यूपी सिंह ने आम जनता से भी अपील की है कि दीपावली के शुभ अवसर पर इस प्रदर्शनी में अधिक से अधिक लोग आये और शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से निर्मित कलात्मक एवं आकर्षक कलाकृतियों की खरीदारी करे और इसका लाभ उठाये। इस प्रदर्शनी में माटी कला से सम्बन्धित सभी प्रकार के उत्पाद उपलब्ध है। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बोर्ड द्वारा वितरित डाई से निर्मित श्री लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, लखनऊ के सिरेमिक्स कलात्मक उत्पाद, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा, कानपुर के मिट्टी से निर्मित बर्तन, खुर्जा के चीनी मिट्टी से बने उत्पाद व अन्य सजावटी सामान एवं विभिन्न प्रकार के डिजाइनर दिये तथा अलग-अलग जनपदों से विभिन्न विधाओं से निर्मित उत्पाद बिक्री हेतु उपलब्ध है।

मेले में गोरखपुर से आएं हरिशचंद गौतम ने बताया कि उनके स्टॉल पर पैराकोटा से लेकर हर तरह के उत्पाद उपलब्ध है। अनामिका सिंह व प्रतिमा मौर्या के स्टॉल पर भी कुंभकारों को हुनर सिर चढ़कर बोल रहा है।

पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी करने वाले इमरान मसूद के खिलाफ आरोप तय

लखनऊ, 23 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देकर सुर्खियां बटोरने वाले कांग्रेस के बड़बोले नेता इमरान मसूद पर कोर्ट का शिकंजा कसता जा रहा है। लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान सहारनपुर में दिये अपने भाषण में इमरान मसूद ने तब के बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार और भाजपा नेता नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोटी-बोटी काट देने वाली अभद्र टिप्पणी की थी। जिसके पश्चात इस मामले में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के खिलाफ एमपी एमएलए कोर्ट में आरोप तय किए गए हैं,जबकि सांसद ने आरोपों इंकार

किया है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) गुलाब सिंह ने बताया कि 27 मार्च 2014 को देवबंद में चुनावी जनसभा के दौरान इमरान मसूद ने पीएम नरेंद्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी की थी। उन्होंने दो दलित नेताओं को भी जातिसूचक शब्द कहकर संबोधित किया था। मामले में देवबंद कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने धारा 153 ए, 295ए, 504, 506, 3(1) 10 एससी/एसटी एक्ट तथा 125 लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में चार्जशीट लगा दी। इमरान मसूद की ओर से आरोपों को निराधार बताते हुए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था, परंतु अदालत ने इसे पर्याप्त आधारों के अभाव में निरस्त कर दिया था। इमरान के खिलाफ धारा 153ए- निवास स्थान, भाषा इत्यादि के आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता का संप्रवर्तन और सौहार्द बने रहने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कार्य कारित करना,धारा259 ए-में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर दलितों की हिंदू धर्म के प्रति शत्रुता एवं घृणा के शब्दों का प्रयोग करना। विद्वेषपूर्ण कार्य, जो किसी वर्ग के अपमान कर उसकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के हों-(इस अपराध में तीन साल की सजा हो सकती है) 504-किसी को अपशब्द कहना।

भ्रष्टाचार से कांग्रेस ने सबक नहीं सीखने की ठान ली!

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी।

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के कारण देशभर में हुई बदनामी से सत्ता गंवाने के बावजूद सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस के केंद्र और ज्यादातर राज्यों से सत्ता बाहर होने का एक प्रमुख कारण भ्रष्टाचार रहा है। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता भ्रष्टाचार से दामन नहीं छुड़ा पाएं हैं। कर्नाटक कांग्रेस की सरकार के जमीनों में बंदरबांट इसका नया उदाहरण है। इसके चलते मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मारी गौड़ा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उल्लेखनीय है कि उनका इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी बीएन पार्वती और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ चल रहे भूमि घोटाले की जांच राज्य और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही है। सिद्धारमैया और उनकी पत्नी बीएन पार्वती पर मैसूरु के विजयनगर क्षेत्र में 14 प्लॉट आवंटित किए गए प्लॉट को लेकर सवाल उठे थे। सिद्धारमैया की पत्नी ने प्लॉट लौटाने की पेशकश की थी। जिसे वापस लेने पर प्राधिकरण ने सहमति जताई। मुख्यमंत्री के जमीन आंवटन में हेराफेरी की जांच के बीच मल्लिकार्जुन खडगे ने कर्नाटक द्वारा आवंटित जमीन लौटा दी। यह विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब कर्नाटक कांग्रेस सरकार ने राहुल खडगे की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। विचाराधीन भूमि मल्लिकार्जुन खडगे के बेटे राहुल एम खडगे को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) द्वारा बगलूर में हाई-टेक डिफेंस एंड एयरोस्पेस पार्क के हार्डवेयर क्षेत्र में आवंटित की गई थी। कांग्रेस का शायद ही ऐसा कोई वरिष्ठ नेता होगा जिस पर भ्रष्टाचार के आरोप और मामले दर्ज नहीं किए गए हैं। पार्टी में कनिष्ठ से लेकर शीर्ष तक के नेताओं के खिलाफ गंभीर मामले चल रहे हैं। यहां तक कि पार्टी चलाने वालीं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी भी जमानत पर चल रहे हैं।

भ्रष्टाचार के मामलों को देखें तो दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक के बड़े कांग्रेस नेता सीबीआई, इनकम टैक्स और ईडी जैसी एजेंसियों के निशाने पर हैं। हालांकि कांग्रेस अपने नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार करती रही है। पार्टी का कहना है कि बीजेपी की मोदी सरकार राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई कर रही है। करोड़ों की एंबुलेंस खरीद में पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदम्बरम, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ए.ए खान, श्वेता मंगल, शफी माथेर और निदेशक एन आर एच एम के विरूद्ध 2013 तक एनआरएचएम के तहत एंबुलेंस खरीदने में हुई धांधली का मामला दर्ज किया गया था। एंबुलेंस खरीदने के लिए जो टेंडर जारी किया गया, उसमें गड़बड़ी की गई थी। इस मामले में 31 जुलाई 2014 को जयपुर के अशोक नगर थाना पुलिस ने जयपुर नगर निगम के पूर्व मेयर पंकज जोशी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेता डीके शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति दर्ज करने का मामला चल रहा है। 2017 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने डीके शिवकुमार के 64 ठिकानों पर जबर्दस्त छापेमारी की थी। टैक्स चोरी की शिकायतों पर यह कार्रवाई हुई थी। उस दौरान डीके शिवकुमार व अन्य कांग्रेस नेताओं ने राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया था। इसी तरह वीरभद्र सिंह हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता वीरभद्र सिंह के खिलाफ भी केंद्रीय एजेंसियों ने जांच की। सितंबर 2015 में उनकी बेटी की शादी के दिन सीबीआई ने छापेमारी कर खलबली मचा दी थी।

कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनीतिक सचिव अहमद पटेल पर इतालवी चॉपर कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड से कमीशन लेने के आरोपों की सीबीआई आदि केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इस मामले में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के भांजे रतुल पुरी भी फंसे हैं। यह मामला अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी से 36 अरब रुपए के 12 वीआईपी हेलिकॉप्टर खरीदने थे से जुड़ा है। आरोप है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया इस वीआईपी चॉपर खरीद के पीछे अहम भूमिका निभा रही थीं। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने इस मामले को पिछली मोदी सरकार में उठाया था, जिसके बाद घमासान मचा था।

नेशनल हेराल्ड केस-2011 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेता फंसे हैं। आरोप है कि कांग्रेस के पैसे से 1938 में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी खड़ी की गई, जो नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आवाज नामक तीन अखबारों का संचालन करती थी। एक अप्रैल 2008 को सभी अखबार बंद हो गए. इसके बाद कांग्रेस ने 26 फरवरी 2011 को इसकी 90 करोड़ रुपये की देनदारियों को अपने जिम्मे ले लिया था। मतलब पार्टी ने इसे 90 करोड़ का लोन दे दिया। इसके बाद 5 लाख रुपये से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई, जिसमें सोनिया और राहुल की 38-38 फीसदी हिस्सेदारी है। बाद में घालमेल कर यंग इंडियन के कब्जे में एजेएल कंपनी को कर दिया गया। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड़ का लोन भी माफ कर दिया। यानी यंग इंडियन को एक प्रकार से मुफ्त में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड नाम की कंपनी का मालिकाना हक मिल गया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक संपत्ति की खरीद में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.9 मिलियन पाउंड (17 करोड़ से अधिक) है। इस मामले की जांच मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। इसके अलावा हरियाणा में हुड्डा की कांग्रेस सरकार के दौरान वाड्रा-डीएलएफ लैंड डील का बड़ा घोटाला उजागर हुआ था।

रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने गुडगांव के मानेसर-शिकोहपुर में ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपये में करीब 3.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। हुड्डा सरकार ने वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी को इस जमीन पर आवासीय परियोजना विकसित करने की स्वीकृति दी थी। मुश्किल से चार महीने में 700 प्रतिशत से ज्यादा का मुनाफा वाड्रा की कंपनी को होता है, वहीं 2012 में हुड्डा सरकार कॉलोनी बनाने वाले लाइसेंस को डीएलएफ को ट्रांसफर कर दिया। कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोपों की फेहरिस्त काफी लंबी है। आश्चर्य की बात यह है कि लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने कभी भी भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड? का वादा नहीं किया। यही वजह रही कि कांग्रेस इस मुद्दे पर भाजपा के निशाने पर रही है। प्रधानमंत्री मोदी भी कई भाषणों में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के जमानत पर बाहर होने पर चुटकी भी लेते रहे हैं। संसद के बीते बजट सत्र के दौरान जब कांग्रेस नेता अधीर रंजन ने कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले हैं तो गिरफ्तार क्यों नहीं करते, तब पीएम मोदी ने हंसते हुए कहा था- जमानत पर हैं तो एन्जॉय करिए। कांग्रेस को भाजपा नेताओं के ऐसे तीखे व्यंग्य बाणों का निशाना झेलना पड़ा है। इसके बावजूद कांग्रेस ने कभी भी अपनी छवि सुधारने के लिए कोई कठोर कदम उठाए नहीं। यह निश्चित है कि जब तक कांग्रेस भ्रष्टाचार के मामलों में कठोरता की नीति नहीं अपनाएगी तब तक देश पर राज करने का उसका ख्वाब पूरा नहीं होगा।

- योगेन्द्र योगी

BRICS सम्मेलन से निकल रहे है चीन व भारत शांति के कई रास्ते, मोदी है तो मुमकिन है

अशोक भाटिया

जैसे ही ये समाचार फैला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के इफ्क्क्र सम्मेलन के दौरान अहम द्विपक्षीय वार्ता होने जा रही है वैसे ही महाराष्ट्र चुनाव में सोशल मीडिया पर यह नारा ट्रोल होने लगा कि ह्य मोदी है तो मुमकिन है।

बताया जाता है कि यह वार्ता 2020 के गालवान संघर्ष के बाद दोनों नेताओं की पहली औपचारिक बैठक होगी। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद (क्ल्र्ली-ड्रँल्लं इङ्ग१ाी१ ऊ्रस्त्र४३ी) के बाद यह बैठक विशेष महत्व रखती है। इस बैठक से उम्मीद की जा रही है कि भारत-चीन संबंधों में तनाव को कम करने और भविष्य में शांति बहाल करने के प्रयास होंगे। 2020 में गालवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद से भारत और चीन के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इस संघर्ष के बाद दोनों देशों के बीच कई बातचीत की कोशिशें हुईं, लेकिन पूर्ण रूप से स्थिति सामान्य नहीं हो पाई थी। अब इफ्क्क्र सम्मेलन के दौरान हो रही इस वार्ता से उम्मीद है कि दोनों देश सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

समाचारों के अनुसार हाल ही में दोनों देशों के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर पेट्रोलिंग व्यवस्था पर सहमति बनी है। यह व्यवस्था 2020 से पहले की स्थिति पर लौटने की कोशिश है, जो कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाल करने और सीमा विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने में मदद कर सकती है। महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बताया जाता है कि इस सम्मेलन में पीएम मोदी और शी जिनपिंग के अलावा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी मौजूद हैं। यह वार्ता इफ्क्क्र देशों के बीच वैश्विक मुद्दों पर सहमति बनाने का एक मंच भी है। ऐसे में भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का सीधा असर इस समूह के अन्य सदस्यों पर भी पड़ सकता है। गालवान संघर्ष के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग के बीच औपचारिक संवाद बहुत कम हुए हैं। 2023 में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए इफ्क्क्र सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेताओं के बीच एक बैठक हुई थी। इसके अलावा 2022 में इंडोनेशिया के बाली में हुए G20 सम्मेलन के दौरान भी एक अनौपचारिक बातचीत हुई थी। लेकिन, यह पहली बार है जब दोनों नेता विस्तृत वार्ता करेंगे।

भारत और चीन के बीच संबंधों में आई कड़वाहट का असर अन्य क्षेत्रों में भी देखा गया था। पिछले चार सालों से दोनों देशों के बीच कोई सीधी फ्लाइट सेवा नहीं थी। साथ ही, चीनी टेक्नीशियनों को वीजा मिलने में भी सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा था। अब इस बैठक के बाद उम्मीद की जा रही है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और अन्य क्षेत्रों में भी संबंध सुधरेंगे।

गौर करने वाली बात यह है कि, पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर पेट्रोलिंग को लेकर भारत और चीन के बीच बनी सहमति के बाद दोनों देशों के बीच यह बैठक हो रही है। भारत और चीन के बीच बीते कई वर्षों से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध अब समाप्त होता हुआ नजर आ रहा है। चीन ने पुष्टि की है कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए भारत के साथ समझौता हो गया है। 15-16 जून, 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने आ गए थे। दोनों पक्षों के बीच हिंसक झड़प भी हुई थी, जिसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन के भी 40 से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई थी। हालांकि, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने आज तक अपने सैनिकों की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस घटना के चार साल बाद अब भारत और चीन ने गतिरोध खत्म करने को लेकर आगे कदम बढ़ाए हैं, जिसका नतीजा दोनों देशों के बीच हुआ समझौता है.

गौर करने वाली बात यह भी है कि कनाडा पिछले कुछ दिनों से भारत पर लगातार बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। इसमें अमेरिका सहित कई फाइव आइज देश भी उसका पक्ष लेते नजर आ रहे हैं। जिनपिंग और पीएम मोदी की इस बैठक को फाइव आइज ग्रुप के खिलाफ कड़े जवाब के तौर पर भी देखा जा रहा है। फाइव आइज को ऐसे समझ सकते हैं कि यह दुनिया भर में जासूसी करने के लिए पांच देशों द्वारा मिलकर बनाया गया एक गुट है। जासूसी से मिले इनपुट को ये पांच देश आपस में साझा करते हैं। इस क्लब में अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन शामिल हैं।

ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि जब 2019 में पहले जब पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात हुई तब चीन ने धोखा दिया था. लेकिन अब उसे भारत की शर्तों पर झुकना पड़ा है. दरअसल, अक्टूबर 2019 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत के दौरे पर आए थे. दोनों नेता महाबलीपुरम में एक अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए मिले थे. इस मुलाकात के कुछ महीने बाद ही चीन ने भारत को धोखा दिया था और LAC पर सैन्य गतिरोध पैदा हो गया था.दोनों देशों की सेना आमने-सामने आ गई थीं. 15 जून, 2020 को भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो गई थी. इस घटना के बाद सितंबर, 2020 में राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत शुरू हुई. कई दौर की बातचीत के बाद भारत और चीन LAC पर समझौते को तैयार हुए. दोनों मुल्क पैट्रोलिंग पर 2020 से पहले वाली स्थिति पर सहमत हुए हैं. ये समझौता पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही हुआ. इस मुलाकात के पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा था कि समझौते से दोनों देश 2020 वाली स्थिति में लौट आए हैं और दोनों देशों के बीच सेनाओं को पीछे हटाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने चीनी विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के बाद इस बैठक की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बीजिंग इस घटनाक्रम को सकारात्मक रूप से देखता है और भारत के साथ मिलकर उस समाधान को लागू करने के लिए काम करेगा जो दोनों पक्षों ने निकाला है।

मिश्री ने कहा कि समझौते के तहत चर्चा के दायरे में आने वाले क्षेत्रों में गश्त और चराई गतिविधियों के संबंध में 2020 की स्थिति बहाल होगी। उन्होंने कहा कि इसे जमीन पर लागू किया जाना है और भारत ऐसी व्यवस्था के लिए प्रयास करेगा जिससे किसी भी तरह की सीमा झड़प न हो। उन्होंने यह भी कहा कि नया समझौता उन बकाया मुद्दों पर केंद्रित था जो पिछले कुछ वर्षों में सामने आए थे। विदेश सचिव विक्रम मिश्री के अनुसार हमें अब अलग होने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सेना की वापसी और उनके ठिकानों पर वापसी के बारे में हम सही समय पर बात करेंगे। भारत ने सोमवार को कहा था कि दोनों पक्ष एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं जिससे गतिरोध समाप्त हो गया है और 2020 में शुरू हुए गतिरोध के बाद उभरे मुद्दों का समाधान हो गया है।

अपनी पहली प्रतिक्रिया में, बीजिंग ने कहा कि चीन और भारत ने राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा से संबंधित मुद्दों पर घनिष्ठ संवाद बनाए रखा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने टिप्पणी के एक अंग्रेजी अनुवाद के अनुसार कहा कि वर्तमान में, दोनों पक्ष प्रासंगिक मुद्दों का समाधान निकाल चुके हैं, जिसका चीन ने सकारात्मक मूल्यांकन किया है। अगले चरण में, चीन उपरोक्त समाधान को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा।

प्रगति के बावजूद, अभी भी कई अनसुलझे मुद्दे हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। इससे पहले कि स्थिति पूरी तरह से सामान्य हो सके, भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इस महीने की शुरूआत में बताया था कि जहां 'आसान' मुद्दों का समाधान हो गया है, वहीं अधिक कठिन परिस्थितियां अभी भी बनी हुई हैं। विशेष रूप से देपसांग के मैदानों और पूर्वी लद्दाख के कुछ हिस्सों में ये अनसुलझे क्षेत्र पूर्ण वापसी के लिए एक चुनौती बने हुए हैं।विशेष रूप से देपसांग एक विवादास्पद क्षेत्र बना हुआ है जहां माना जाता है कि चीनी सेनाएं भारत के दावा वाले क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर जमी हुई हैं। सितंबर 2022 में गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र से दोनों पक्षों के सैनिक पीछे हट गए थे, देपसांग में गतिरोध को हल करना इसके रणनीतिक महत्व के कारण अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है।

सन्तान की दीघार्यु की कामना का पर्व है अहोई अष्टमी

-रमेश सर्राफ धमोरा

24 अक्टूबर पर विशेष

अहोई अष्टमी का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन किया जाता है। विशेष तौर पर यह पर्व माताओं द्वारा अपनी सन्तान की लम्बी आयु व स्वास्थ्य कामना के लिए किया जाता है। पुत्रवती महिलाओं के लिए यह व्रत अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिन माता-पिता को अपने सन्तान की ओर से स्वास्थ्य व आयु की दृष्टि से चिंता बनी रहती हो। इस पर्व पर सन्तान की माता द्वारा समुचित व्रत व पूजा करने का विशेष लाभ प्राप्त होता है। सन्तान स्वस्थ होकर दीघार्यु को प्राप्त करती हैं। जिन दम्पत्तियों के पुत्र नहीं बल्कि पुत्री सन्तान है वे भी अहोई माता की पूजा कर सकती हैं। सन्तान की कामना वाली महिलाएं भी यह व्रत रखकर अहोई माता से सन्तान प्राप्ति की प्रार्थना कर सकती हैं। लेकिन यह भी नियम है कि एक साल व्रत लेने के बाद आजीवन यह व्रत टूटना नहीं चाहिए। पहले धारणा थी कि सिर्फ सपूतों के लिए ही व्रत रखा जाता है। ऐसा नहीं है। आज के बदलते दौर में जब पुत्री भी माता पिता के लिए बराबर की मान्यता साकार करती हैं तो पुत्रियों के सुख सौभाग्य के लिए भी अहोई माता कृपालु होती हैं। अहोई अष्टमी का व्रत करवा चौथ के ठीक चार दिन बाद आता है। करवा चौथ पर महिलाएं पति की दीघार्यु की कामना के लिए व्रत करती हैं तो अहोई अष?टमी पर संतान की दीघार्यु के लिए निर्जला व्रत करती हैं। रात में तारों को अघ?य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं और फिर जल ग्रहण करती हैं। यह व्रत अहोई मैय्या को समर्पित होता है। अहोई अष्टमी का पर्व दीपावली के आरम्भ होने की सूचना देता है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में एक साहूकार रहा करता था। साहूकार की पत्नी चंद्रिका बहुत गुणवती थी। साहूकार की बहुत सन्ताने थीं। वह अपने परिवार के साथ सुख से जीवन यापन कर रहा होता है। एक बार साहूकार की स्त्री घर की लीपा-पोती हेतु मिट्टी लेने खदान में जाती है और कुदाल से मिट्टी खोदने लगती है, परन्तु उसी जगह एक सेह की मांद होती है और अचानक उस स्त्री के हाथ से कुदाल सेह के बच्चे को लग जाती है जिससे सेह के बच्चे की मृत्यु हो जाती है। इस घटना से साहूकार की पत्नी को बहुत दुख होता है। मन में पश्चाताप का भाव लिए वह घर लौट जाती है। परन्तु कुछ दिनों बाद उसकी संतानें एक-एक करके मरने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति पत्नी दुखी रहने लगते हैं। बच्चों की शोक सभा में साहूकार की पत्नी विलाप करती हुई उन्हें बताती है कि उसने जान-बूझकर कभी कोई पाप नहीं किया लेकिन एक बार अंजाने में उससे एक सेह के बच्चे की हत्या हो गई थी। यह सुनकर औरतें साहूकार की पत्नी को दिलासा देती हैं और उसे अष्टमी माता की पूजा करने को कहती हैं। साहूकार की पत्नी दीवार पर अहोई माता और सेह के बच्चों का चित्र बनाकर माता की पूजा करती है और अहोई मां से अपने अपराध की क्षमा-याचना करती है। तब मां प्रसन्न हो उसकी होने वाली सन्तानों को दीर्घ आयु का वरदान देती हैं। तभी से अहोई व्रत की परम्परा प्रचलित हो गई।

अहोई माता के चित्रांकन में ज्यादातर आठ कोष्ठक की एक पुतली बनाई जाती है। उसी के पास सेह तथा उसके बच्चों की आकृतियां बना दी जाती हैं। उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अहोई माता का स्वरूप वहां की स्थानीय परम्परा के अनुसार बनता है। सम्पन्न घर की महिलाएं चांदी की अहोई बनवाती हैं। जमीन पर गोबर से लीपकर कलश की स्थापना होती है। अहोई माता की पूजा करके उन्हें दूध चावल का भोग लगाया जाता है। तत्पश्चात एक पाटे पर जल से भरा लोटा रखकर कथा सुनी जाती है। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाते हैं तथा साथ ही सेह और उसके बच्चों का चित्र भी बनाते हैं।

सन्ध्या में आरती के समय के उपरान्त मां का पूजन करने के बाद अहोई माता की कथा सुनते हैं। पूजा के बाद सास-ससुर के पैर छूकर आशीर्वाद प्राप्त कर बाहर आकाश में दीपक अर्पित करके तारों की पूजा कर जल चढ़ाते हैं। तारों को करवा से अर्घ्य भी दिया जाता है। इस दौरान अहोई माता का जाप भी करते हैं। अष्टमी का चांद देखने के उपरान्त व्रत पूजन पूरा हो जाता है और इसके पश्चात व्रती को जल ग्रहण करके व्रत का समापन करना होता है। पूजा के उपरान्त इस दिन लाल धागे की रक्षा सूत्र बांधकर पुत्र अथवा पुत्री को दीघार्यु का आशीर्वाद देना चाहिए! अहोई माता पर एक दन्तकथा के अनुसार, प्राचीन काल में दतिया नगर में चंद्रभान नाम का एक आदमी रहता था। उसकी बहुत सी सन्तानें थीं, परन्तु उसकी सन्ताने अल्प आयु में ही अकाल मृत्यु को प्राप्त होने लगती हैं। अपने बच्चों की अकाल मृत्यु से पति-पत्नी दुखी रहने लगे थे। कालान्तर तक कोई सन्तान न होने के कारण वह पति-पत्नी अपनी धन दौलत का त्याग करके वन की ओर चले जाते हैं और बद्रिकाश्रम के समीप बने जल के कुंड के पास पहुंचते हैं तथा वहीं अपने प्राणों का त्याग करने के लिए अन्न-जल का त्याग करके उपवास पर बैठ जाते हैं। इस तरह छह दिन बीत जाते हैं तब सातवें दिन एक आकाशवाणी होती है कि हे साहूकार। तुम्हें यह दुरूख तुम्हारे पूर्व जन्म के पाप से मिल रह है। अतरू इन पापों से मुक्ति के लिए तुम्हें अहोई अष्टमी के दिन व्रत का पालन करके अहोई माता की पूजा अर्चना करनी चाहिए। जिससे प्रसन्न हो अहोई माता तुम्हें पुत्र प्राप्ति के साथ-साथ उसकी दीर्घ आयु का वरदान देंगी। इस प्रकार दोनों पति-पत्नी अहोई अष्टमी के दिन व्रत करते हैं और अपने पापों की क्षमा मांगते हैं। अहोई मां प्रसन्न हो उन्हें संतान की दीघार्यु का वरदान देती हैं। वर्तमान समय में भी माताओं द्वारा अपनी सन्तान की ईष्टकामना के लिए अहोई माता का व्रत रखा जाता है और सांयकाल अहोई मता की पूजा की जाती है तो निश्चित रूप से इसका शुभफल उनको मिलता ही है और सन्तान चाहे पुत्र हो या पुत्री उसको भी निष्कंटक जीवन का सुख मिलता है। अहोई व्रत के दिन प्रात उठकर स्नान करें और पूजा पाठ करके अपनी संतान की दीघार्यु एवं सुखमय जीवन हेतु कामना करते हुए मैं अहोई माता का व्रत कर रही हू ऐसा संकल्प करें। अहोई माता मेरी संतान को दीघार्यु, स्वस्थ एवं सुखी रखे। अनहोनी को होनी बनाने वाली माता देवी पार्वती हैं। इसलिए माता पार्वती की पूजा करें। अहोई माता की पूजा के लिए गेरू से दीवार पर अहोई माता का चित्र बनाएं और साथ ही सेह और उसके सात पुत्रों का चित्र बनाएं। सन्ध्या काल में इन चित्रों की पूजा करें।

स्त्रियों की अस्मिता के प्रति पुरुष समाज का नैतिक स्खलन

संजीव ठाकुर

किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सद्गुणों का सर्वोत्तम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे और वही पुरुष समाज स्त्रियों का अनादर कर सरे आम घर में, समाज और देश कोने कोने में स्त्री अस्मिता से खिलवाड़ कर अपने पुरुष होने का अति अशोभनीय दम्भ भरता है। नारियां कब तक पुरुषों द्वारा किए गए इन अनाचारों को झेलती रहेगी। भारतीय ऋषियों ने अथर्व वेद में माताओं को ःमाता भूमिह पुत्र अहं पृथ्व्याःः अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं, कहकर प्रतिष्ठित किया है,तभी से विश्व में नारी महिमा का उद्घोष हो गया था। महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि 'मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई, जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति ,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं ।अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सद्गुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू, एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम है देश में आतंकवाद

सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुई। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल की बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी के झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाक परस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी सीमिट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसद की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई हैं। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है। नक्सल आतंकवाद का उदय पश्चिमी बंगाल से कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ था। यह फैलते हुए देश के करीब आठ राज्यों में तक पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर राज्यों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें नक्सलियों की रोकथाम करने में विफल रही। केंद्र और राज्य मिलकर काम नहीं कर सके। नक्सली देश के लिए नासूर बन गए। मौजूदा केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने खून-खराबा करने वाले नक्सलियों को जड़ से उखाड़ने की ठान ली है। नक्सली प्रभावित राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर भी आतंकवाद की आग में अभी तक सुलग रहा है। इस अशांत केंद्र शासित प्रदेश में आजादी के बाद से ही नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस का शासन रहा है। केंद्र की कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की सरकार आतंकियों को सबक सिखाने में पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान की शय पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाया। नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस और दूसरी क्षेत्रीय दल आतंकियों के प्रति नरम रवैया रखते रहे। आतंकियों के समर्थन में पत्थरबाजी की घटनाओं ने सुरक्षा बलों नुकसान पहुंचाया। धारा 370 और 35 ए के कारण विशेष दर्जा प्राप्त इस प्रदेश में यह कानून आंतकियों की ढाल बनता रहा है।

सिंगरामऊ रियासत हमेशा से जनकल्याण के प्रति समर्पित रहा: कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह के बांद्रा पूर्व स्थित कार्यालय पर आज सिंगरामऊ रियासत के राजा स्व. हरपाल सिंह के प्रपौत्र मृगेंद्र सिंह उर्फ शिव बाबा का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर मछली शहर,जौनपुर के पूर्व सांसद बीपी सरोज, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा भाजपा के मुंबई प्रदेश मंत्री दीपक सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए कृपाशंकर सिंह ने कहा कि सिंगरामऊ रियासत हमेशा से जनकल्याण और न्याय के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि मृगेंद्र सिंह के पिता कुंवर जय सिंह ने गोला फेंक स्पर्धा में भारत का नाम पूरी दुनिया में रोशन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इनके दादा कुंवर श्रीपाल सिंह, लोकप्रियता की ताकत पर लगातार तीन बार जनसंघ के विधायक रहे। इनका पूरा परिवार विनम्रता की अद्भुत मिसाल है। मृगेंद्र सिंह ने जन्मदिन पर प्राप्त सम्मान के लिए कृपाशंकर सिंह के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपको लोकसभा में ना भेजना जौनपुर का दुर्भाग्य रहा। आप सांसद होते तो जौनपुर की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल जाती।

भारत का लॉजिस्टिक्स क्षेत्र त्यौहारी सीजन में उछाल के लिए तैयार: फेडएक्स

मुंबई। दिवाली भारत में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र इस त्यौहारी सीजन के दौरान मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए तैयार है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, एफएमसीजी कंपनियां और खुदरा कारोबारियों को उपभोक्ता खरीद में तेज वृद्धि की उम्मीद है, जिससे लॉजिस्टिक्स गतिविधियों में तेजी से वृद्धि होगी। फेडएक्स के मिडल ईस्ट, भारतीय उपमहाद्वीप और अफ्रीका में एयर नेटवर्क के वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग नितिन नवनीत तटीवाला ने बताया कि, त्योहारी सीजन में हमें मांग में वृद्धि की उम्मीद होती है। ई-कॉमर्स सेगमेंट ने लॉजिस्टिक्स की मांग में 10% से ज्यादा की बढ़ोतरी की है। ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा और उपभोक्ताओं की बढ़ती अपेक्षाएं कुशल और भरोसेमंद डिलीवरी पर जोर देती हैं। उन्होंने आगे बताया कि ₹भारत में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र त्योहारी सीजन की उच्च मांग को पूरा करने के लिए सक्रिय रूप से विस्तार और नवाचार कर रहा है। फेडएक्स एआई-संचालित लॉजिस्टिक्स और रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का उपयोग कर रहा है, जिससे डिलीवरी में लचीलापन आता है और ग्राहकों को बेहतर अनुभव मिलता है। इससे व्यवसाय भी आत्मविश्वास के साथ बढ़ी हुई मांग को संभालने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स उद्योग दुनिया के सबसे बड़े उद्योगों में से एक है, एक डेटा के अनुसार इसका बाजार आकार 2025 तक 380 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है। त्यौहारी सीजन में उपभोक्ता खर्च में बड़ी वृद्धि होती है क्योंकि लोग उपहार, सजावट, कपड़े और बहुत कुछ खरीदते हैं। परिणामस्वरूप, लॉजिस्टिक्स कम्पनियों के पास ऑर्डरों की बाढ़ आ जाती है, जिन्हें निश्चित समय-सीमा के भीतर संसाधित, शिप और वितरित करना होता है।

त्योहारों की चमक भारत में मेडि-फेशियल के साथ मनाएं, विशेषज्ञ कहते हैं

मुंबई। जैसे-जैसे भारत का त्योहारों का मौसम करीब आ रहा है, प्रमुख स्किनकेयर विशेषज्ञ मेडि-फेशियल की सलाह दे रहे हैं ताकि आप अपनी त्योहारों की चमक को बढ़ा सकें। Exoluxe लक्जरी और उन्नत विज्ञान का मेल है। यह पेटेंटेड एक्सोसोम का उपयोग करता है जो छोटे सेलुलर संदेशवाहक होते हैं, जो त्वचा में गहराई तक जाकर पुनर्जीवित करने वाले तत्व पहुंचाते हैं। ये उपचार वृद्ध होती स्टेम कोशिकाओं को पुनर्जीवित करते हैं, कोलेजन और इलास्टिन उत्पादन को बढ़ाते हैं, और त्वचा की मजबूती और लोच को बहाल करते हैं। यह किट सभी त्वचा प्रकारों के लिए उपयुक्त है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो अधिक चमकदार और उज्ज्वल रंगत पाना चाहते हैं। यह हाइपरपिगमेंटेशन और असमान त्वचा रंग को प्रभावी ढंग से कम करता है, त्वचा की बनावट और चिकनाई में सुधार करता है, और महीन रेखाओं और झुर्रियों की उपस्थिति को कम करता है। डॉ. मधुरी अग्रवाल, मुंबई की एक प्रसिद्ध त्वचा विशेषज्ञ और ट्राइकोलॉजिस्ट, कहती हैं, "स्किनकेयर और उपचार सभी के लिए एक समान नहीं होते। एक प्रमाणित त्वचा विशेषज्ञ द्वारा गहन परामर्श के बाद, ग्राहकों की चिंताओं और त्वचा प्रकार के अनुसार उपचार और मेडि-फेशियल की सलाह दी जाती है।" 2024 में भारत में मेडि-फेशियल की मांग में जोरदार वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है।

काई इंडिया ने नमस्ते समुराई अभियान लॉन्च किया

मुंबई। काई इंडिया, प्रीमियम किचनवेयर का एक प्रमुख नाम, ने अपने नए विज्ञापन अभियान 'नमस्ते समुराई' को लॉन्च किया। इस अभिनव अभियान में राजेश यू. पांड्या, एमडी, काई इंडिया को ब्रांड का चेहरा बनाया गया है, जो सटीकता और शिल्पकला का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए ब्रांड प्रसिद्ध है।

नमस्ते समुराई अभियान काई की प्रीमियम जापान प्राइम रेंज के किचन चाकू को प्रदर्शित करता है, जो उनके अत्याधुनिक डिजाइन, 100% स्टेनलेस स्टील ब्लेड और मजबूत ग्रिप हैंडल पर जोर देता है। यह अभियान एक यूनिक विजुअल के साथ मॉडर्न प्रोडक्ट इनोवेशन को मिलाता है, जिसमें राजेश यू. पांड्या एक पारंपरिक समुराई-प्रेरित लुक में नजर आते हैं, जो सटीकता और ताकत का प्रतीक है—ये दोनों विशेषताएँ काई उत्पादों को परिभाषित करती हैं। काई इंडिया के मार्केटिंग प्रमुख, श्री हितेश सिंगला ने कहाः हमारा नया अभियान उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो काई चाकू की ताकत और सटीकता को दशार्ता है। 'नमस्ते समुराई' के साथ, हम जापानी परंपरा और भारतीय जरूरतों के बीच के संबंध को उजागर करना चाहते हैं, जो उच्चतम गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं, जिससे ये घरेलू रसोइयों और पेशेवरों दोनों के लिए सही विकल्प बनते हैं। अभियान की टैगलाइन, स्वादिष्ट जीवन के लिए,ह्व काई के मिशन को संप्रेषित करती है, जो ऐसे किचन समाधान प्रदान करना है जो कुलिनेरी अनुभव को बढ़ाते हैं।

महा विकास आघाडी के बीच सीटों के बंटवारे पर 99 फीसदी काम पूरा हो गया है : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के बीच सीटों के बंटवारे पर 99 फीसदी काम पूरा हो गया है और गठबंधन के तीनों दलों के नेता आज इसके बारे में घोषणा कर सकते हैं। राउत ने पत्रकारों से बातचीत में यह भी संकेत दिया कि उनकी पार्टी 100 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को होगा और मतगणना 23 नवंबर को होगी। विपक्षी गठबंधन एमवीए के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार देर रात यहां मुलाकात की और यह संकेत दिया कि विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया गया है।

खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच बातचीत में बाधा आने के बाद, राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने मंगलवार को पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार और फिर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। बाद में, थोराट और एमवीए के अन्य नेताओं ने फिर से बैठक की, जो यहां एक होटल में कई घंटों तक चली। तीनों दलों के नेताओं ने सीटों के बंटवारे पर गहन चर्चा की जो मंगलवार देर रात तक जारी रही। राउत ने बुधवार को कहा, सीटों के बंटवारे पर 99 फीसदी काम पूरा हो गया है। आज शाम तक तीनों दलों के नेता एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे।

उन्होंने कहा, शिवसेना (उद्धव ठाकरे नीत अपने धड़े के संदर्भ में) एक अनुभवी पार्टी है इसलिए उसे शतक लगाना होगा। लोगों को उम्मीदें हैं कि शिवसेना को सीटों तथा संपूर्ण जीत में शतक लगाना चाहिए। उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर चुकीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि एमवीए को सरकार बनानी है इसलिए सहयोगी दलों ने समय लिया है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा सीट पर चर्चा की गयी है। उन्होंने कहा कि एमवीए ने बेशक अपनी सूची जारी नहीं की है लेकिन तीनों दलों ने पहले ही अपने उम्मीदवारों को ए और बी फॉर्म दे दिए हैं। ए और बी फॉर्म महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं जो दशार्ते हैं कि किसी राजनीतिक दल ने कुछ उम्मीदवारों के नामों को अनुमति दे दी है और उन्हें उस पार्टी का चुनाव चिह्न दिया जाना चाहिए। यह पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे के खिलाफ माहिम से उम्मीदवार खड़ा करेगी? इस पर राउत ने कहा कि शिवसेना का गठन माहिम-दादर क्षेत्र में हुआ था और ऐसा नहीं हो सकता कि वह वहां उम्मीदवार नहीं उतारेगी।

राउत ने यह भी कहा कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे इस बार बड़े अंतर से वर्ली सीट से जीत दर्ज करेंगे। महाराष्ट्र चुनावों के लिए मनसे द्वारा घोषित उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे मध्य मुंबई में माहिम विधानसभा सीट से अपना चुनावी पदार्पण करेंगे।

घाटकोपर मे भाजपा नेता ओमप्रकाश त्रिपाठी का स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सह संयोजक प्रबुद्ध प्रकोष्ठ भाजपा एवं पूर्व जिला अध्यक्ष प्रतापगढ़ के ओमप्रकाश त्रिपाठी का श्री रामलीला उत्सव समिति के प्रमुख एवं वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर आर शुक्ल ने अपने मुंबई निवास घाटकोपर में श्रीरामनामी शाल संकल्प पत्रिका भेंट कर स्वागत किया। गौरतलब है कि ओमप्रकाश त्रिपाठी उत्तर प्रदेश से मुंबई के जोगेश्वरी विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाए गए है। इस अवसर पर जनपद सुलतानपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता विजय त्रिपाठी, रजनीश तिवारी, रामबिलास पाठक, आचार्य नीरज मिश्र, एसईओ पत्रकार आदेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, रविशंकर दुबे, मोहन श्रीवास्तव, तपस्वी चौरसिया, रमापति यादव, अशोक मिश्र मौजूद थे।

आईएचसीएल जिंजर भिवंडी की घोषणा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में महाराष्ट्र के भिवंडी में सातवां जिंजर होटल साइन करने की घोषणा की है। यह ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट जिंजर की लीन लक्स डिजाइन फिलॉसॉफी को दशार्ता है। यहां आने वाले मेहमान तरोताजा कर देने वाली, आधुनिक जगह में रहकर काम और छुट्टी के बेहतरीन मिलाप का अनुभव ले सकते हैं। सुश्री सुमा वेंकटेश, एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, रियल इस्टेट एंड डेवलपमेंट ने कहा, भिवंडी एक महत्वपूर्ण कमर्शियल हब के रूप में उभर रहा है। वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कारोबार यहां काफी बढ़ रहा है। इस तरह के माइक्रो मार्केट्स में विस्तार करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप जिंजर भिवंडी को शुरू करने का निर्णय लिया गया। इस प्रोजेक्ट के लिए आरएनपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। मुंबई-नाशिक हाईवे पर बने, 151 कमरों के जिंजर भिवंडी, एमएमआर में इस ब्रांड का मशहूर ऑल-डे डाइनर क्यूमिन है, यहां कई अलग-अलग तरह के, स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठाया जा सकता है।

यहां एक आधुनिक फिटनेस सेंटर, स्विमिंग पूल और अलग-अलग तरह के कार्यक्रमों के लिए खास जगह भी हैं, इसमें 2000 स्क्वायर फीट का बैंक्वेट हॉल, मीटिंग रूम्स और प्री-फंक्शन एरिया भी बनाए गए हैं। श्री विशाल पाटील, डायरेक्टर, आरएनपी वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, भिवंडी में जिंजर लाने के लिए आईएचसीएल के साथ हाथ मिलाकर हमें बहुत खुशी हो रही है। यह होटल इस इलाके में तेजी से बढ़ रहे कारोबारों के लिए बहुत उपयुक्त साबित होगा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में भिवंडी मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। न्हावा सेवा पोर्ट के पास होने की वजह से भिवंडी एशिया का एक सबसे बड़ा वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स हब बना है। अब आईएचसीएल क पास महाराष्ट्र में 37 होटल हैं, जिनमें से 13 का विकास कार्य चल रहा है।

तिलक नगर कर्नाटक संघ का वार्षिकोत्सव संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। तिलक नगर कर्नाटक संघ की वार्षिक आम बैठक चेंबूर तिलक नगर स्थित नवदुर्गा मित्र मंडल परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में स्थानीय शिवसेना विधायक मंगेश कुडालकर को विशेष अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था. तिलक नगर कर्नाटक संघ के अध्यक्ष सुरेश शेट्टी और उनकी टीम ने विभाग में उनके कार्यों के लिए विधायक मंगेश कुडालकर को शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष टीआर शेट्टी ने कुडालकर को आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं. शिव छत्रपति पुरस्कार विजेता जया शेट्टी के विचार-मंथन सत्र के दौरान तिलक नगर पेस्टम सागर इलाके के लगभग 2000 सदस्यों ने भी कुडालकर के साथ रहने का वादा किया। सचिव अरुण शेट्टी, कोषाध्यक्ष गणेश पुजारी, जे.टी. सचिव शशि पुजारी, पूर्व अध्यक्ष रमन्ना देवाडिगा, नवनिर्वाचित अध्यक्ष मालती मोइली, निवर्तमान अध्यक्ष शालिनी शेट्टी, नागवेनी शेट्टी, संजय कदम, विभाग प्रमुख, प्रकाश बसरूर प्रभारी प्रशासक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष शेखर शेट्टी और पूर्व अध्यक्ष नित्यानंद शेट्टी समेत बड़ी संख्या में कर्नाटक समाज के लोग भी मौजूद थे।

सेल्सफोर्स टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के लिए डिजिटल परिवर्तन को गति देगा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सेल्सफोर्स ने आज अपनी डिजिटल परिवर्तन यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए एक प्रमुख फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के साथ रणनीतिक सहयोग की घोषणा की। इस अगली पीढ़ी के गो-टू-मार्केट प्लेटफॉर्म का लॉन्च के बिक्री और वितरण संचालन में उल्लेखनीय गति और दक्षता के साथ क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

सेल्सफोर्स सेल्स क्लाउड, सर्विस क्लाउड, प्लेटफार्म, को लागू करने का निर्णय, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उन्नत तकनीक का लाभ उठाते हुए, डिजिटल-प्रथम, डेटा-संचालित संगठन में बदलने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप है। सेल्सफोर्स की उन्नत डेटा प्रबंधन और अकक्षमताओं का लाभ उठाते हुए, TCPL ने उल्लेखनीय गति और दक्षता के साथ अपने डिजिटल परिवर्तन को गति दी है। प्लेटफॉर्म का विकास और परिनियोजन चार महीनों के भीतर 3,000 से अधिक वितरकों के लिए एक राष्ट्रव्यापी रोलआउट द्वारा संचालित किया गया था। इस रोलआउट के चरम पर, एक ही दिन में 200 वितरकों को सफलतापूर्वक शामिल किया गया, जो प्लेटफॉर्म की मापनीयता और चपलता को प्रदर्शित करता है। प्लेटफॉर्म सेल्सफोर्स के टूल के साथ सहजता से एकीकृत होता है, वास्तविक समय की बाजार खुफिया जानकारी प्रदान करता है और सेल्सफोर्स ग्राहक 360 सूट के माध्यम से वितरक बिक्री और खुदरा शेल्फ गतिविधि में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

यह सहयोग TCPL के व्यापक खुदरा नेटवर्क में दक्षता को बढ़ावा दे रहा है, जो 1.63 मिलियन से अधिक आउटलेट में फैला हुआ है। प्लेटफॉर्म का उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजाइन वितरकों और बिक्री प्रतिनिधियों को न्यूनतम प्रशिक्षण के साथ इसे अपनाने में सक्षम बनाता है, जो उपभोक्ता-ग्रेड अनुप्रयोगों के समान एक बेहतर अनुभव प्रदान करता है।

उपयोग में आसानी ने TCPL को वितरक ऑनबोर्डिंग समय को एक सप्ताह से घटाकर केवल 45 मिनट करने की अनुमति दी है, जबकि नए खुदरा विक्रेताओं को अब दो मिनट से कम समय में ऑर्डर देने के लिए सेट किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, रिकॉर्ड समय में प्लेटफॉर्म पर कई भागीदारों को शामिल करने की TCPL की क्षमता तेजी से तैनाती क्षमताओं को दशार्ती है।

हम टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के साथ उनकी डिजिटल परिवर्तन यात्रा में भागीदार बनकर उत्साहित हैं। पिछले कुछ वर्षों में, सेल्सफोर्स ने एआई नवाचार की कहानी का नेतृत्व किया है, जिसका नवीनतम उदाहरण एजेंटफोर्स है, जो दुनिया का पहला स्वायत्त, अनुकूलन योग्य एजेंट और उपकरण है जो आपके कर्मचारियों और कार्यबल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता है। सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरपर्सन और सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य ने कहा। ₹टीसीपीएल के साथ हमारा सहयोग हमारे लिए कई मायनों में खास है और हमें साथ मिलकर व्यवसाय की सफलता को आगे बढ़ाने का पूरा भरोसा है।

समता विद्या मंदिर स्कूल के विद्यार्थियों ने कंदिलपर मराठी अक्षर लिखे

छात्रों द्वारा मी मराठी मी मराठी घोषणाएं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। स्कूलों में दीपावली पर्व की छुट्टियां होने वाली हैं। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुएअनेक विद्यालयों में छमाही परीक्षा के साथ साथ विद्यार्थियों के लिए अनेक उपक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, साकीनाका के समता विद्या मंदिर स्कूल के छात्रों ने केंद्र सरकार द्वारा मराठी भाषा अभिजात दर्जा को व्यक्त करने के लिए कंदिलपर मराठी अक्षर लिखे। बता दें कि इस साल की दिवाली छात्रों द्वारा मराठी चारोलियाँ, कविताएँ और शुभकामनाएँ लिखने से रोशन होगी। इस वर्ष विद्यार्थियों ने स्कूल के निदेशक राजेश सुभेदार, ज्योति सुभेदार की संकल्पना से मराठी अक्षरों में कंदीले बनाई। कक्षा एक से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने कंदील बनाए। विद्यालय की शिक्षिका स्मिता सुरवसे, छाया उपाध्याय ने बच्चों की अच्छे से तैयारी करायी। इसमें सैकड़ों छात्रों ने हिस्सा लिया तो वहीं इस मौके पर मी मराठी मी मराठी के नारे भी दिए गए।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

जिला अस्पताल के लैब टेक्नीशियन धर्मेन्द्र यादव की सड़क दुर्घटना में मौत

रियाजुल हक ज़िला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना क्षेत्र के तरतिहरा गांव निवासी धर्मेंद्र यादव (28 वर्ष), पुत्र उमा शंकर यादव, की बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई। धर्मेंद्र यादव, जो अमर शहीद उमा नाथ सिंह जिला चिकित्सालय, जौनपुर में संविदा पर लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत थे, रोज की तरह घर से शहर की ओर मछलीशहर बस स्टैंड के लिए निकले थे। घटना बुधवार सुबह लगभग 7:40 बजे की बताई जा रही है। धर्मेंद्र यादव जैसे ही सड़क पार कर बस स्टैंड की तरफ बढ़ रहे थे, सतहरिया की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में धर्मेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया लेकिन ग्रामीणों ने ट्रक के खलासी और ट्रक को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक पर गिट्टी लदी हुई थी। धर्मेंद्र की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और अमर शहीद उमा नाथ सिंह जिला चिकित्सालय के स्टाफ में शोक की लहर दौड़ गई। इस असमय और दुखद घटना से क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। परिजन और स्थानीय लोग अब दोषी ट्रक चालक की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पानी से भरी बाल्टी में डूबने से अबोध बालिका की मौत

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पिलकिछा गांव के गुप्ता बस्ती में मंगलवार की देर शाम बिस्तर के पास रखी पानी से भरी बाल्टी में 7 माह की अबोध बच्ची के गिर जाने से उसकी मौत हो गई। जीवन की आस लगाए स्वजन उसे बाल्टी से निकाल आनन-फानन में निकट के स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां देखते ही चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रोते बिलखते स्वजन शव घर पर लाए। पिलकिछा घाट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उक्त गांव निवासी राकेश गुप्ता की 7 माह की बच्ची शाम लगभग 8 बजे बेड पर सो रही थी। उसकी मां चंदा देवी बेड के बगल किसी काम से एक बाल्टी पानी रख रसोई में खाना बनाने चली गई। कुछ देर बाद वापस आई तो देखा कि बच्ची पास में रखे पानी से भरी बाल्टी में गिरी हुई थी। उसका शरीर शांत पड़ा हुआ था। उपचार हेतु उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों में कोहराम मच गया लोगों ने बिना पुलिस को सूचना दिए बच्ची का अंतिम संस्कार कर दिया।

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं: डॉ.शशिकांत

पीयू में स्वैच्छिक रक्तदान जागरूकता का किया गया आयोजन

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा बुधवार को कुलपति प्रो. वन्दना सिंह के संरक्षत्व में स्वैच्छिक रक्तदान जगरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ पुनीत धवन स्वयंसेवकों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ शशिकांत यादव ने रक्तदान से होने वाले लाभ एवं समाज को इसके लिए जागरूक करने का स्वयंसेवको से आवाह्न किया। कहा के रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं होता। आप रक्तदान कर दूसरे को नया जीवन देते हैं। स्वयंसेवक सुमित सिंह, प्रियांशी मौर्या, प्रभात तिवारी वी अन्य स्वयंसेवको ने रक्तदान से होने वाले विभिन्न लाभों के बारे में लोगो को बताया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन अभिनव कीर्ति पांडेय ने किया। इस अवसर पर डॉ श्याम कन्हैया, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ नीरज अवस्थी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

ग्रेट राज सर्कस कलाकारों का हैरतअंगेज करतब

शिव कुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भागमभाग जिंदगी में सर्कस दिखाना और देखना लोगों को काफी पसंद आता है सर्कस एक ऐसा मंच है, जहां देश-दुनिया के सभी कलाकार अपनी जान हथेली पर रखकर एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं, जो बच्चों से लेकर बूढ़े तक को हंसाने का काम करता है ऐसे में शाहगंज के जौनपुर रोड पर बड़ा सर्कस लग चुका है। जहां आप अपने बच्चों और दोस्तों के साथ इसे देखने जा सकते हैं। ज्ञात हो कि जौनपुर रोड स्थित बहु रानी मैरिज लॉन में इन दोनों ग्रेट राज सर्कस का जोरदार प्रदर्शन चल रहा है। जिसमें आम जनमानस भरपूर मनोरंजन आनंद प्राप्त कर रहा है। ग्रेट राज सर्कस के मैनेजर वकील ने बताया कि वह पहले भी शाहगंज नगर में हाथी शेर भालू के साथ सर्कस लेकर आ चुके हैं। यह तीसरी बार वह शाहगंज में अपनी टीम के साथ पहुंचे हैं। और आगामी वर्षो में सर्कस लगभग समाप्त हो जाएगा। लेकिन आज भी वह अपने आजीविका को सर्कस से ही जोड़कर देखते हैं।

पुलिस के कब्जे में रखे गये कबाड़ वाहनों में लगी आग

मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बुझाई आग, घटना के कारणों का नहीं चला पता

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली पुलिस द्वारा कब्जे में ली गई कबाड़ होकर थाने के बाहर बड़ी मस्जिद तिराहे पर खड़ी दर्जनों वाहन से अचानक आग की लपटें उठती देख लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आग बुझाई। पुलिस आग लगी के कारणों की जांच में जुटी है। बताया जाता है कि कोतवाली पुलिस के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक आदेश त्यागी द्वारा पुरानी और कबाड़ हो चुकी वाहनों को बड़ी मस्जिद स्थित तालाब के किनारे रखवाया गया था। तकरीबन दर्जनों की संख्या में वाहन जिनमें जीप, ऑटो रिक्शा, ट्रैक्टर आदि रखे हुए थे मंगलवार की देर शाम लगभग सवा सात बजे उक्त वाहनों से धुआं निकालता देख आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते आग विकराल रूप धारण कर ली। सूचना पर पहुंचे पुलिस के लोगों ने फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आग को काबू किया। फि लहाल पुलिस आग लगी के कारणों की जांच में जुटी है।

ऑनलाइन व्यापार के विरोध में शाहगंज में सड़क पर उतरे व्यापारी

वसीम अहमद संवाददाता

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ऑनलाइन कारोबार से हो रहे नुकसान के विरुद्ध समाजवादी व्यापार सभा ने विरोध दर्ज कराया है। जिले के शाहगंज में निकाले गए जुलूस का नेतृत्व प्रदेश सचिव लालचंद यादव और संजीव साहू ने किया। जुलूस शामिल व्यापारी ऑनलाइन व्यापार पर लगाम लगाने की मांग से जुड़े नारे लगा रहे थे। सपा व्यापार सभा के सदस्य व्यापारी और खुदरा दुकानदार बुधवार को गांधीनगर कलेक्टरगंज स्थित सपा कार्यालय पर इकट्ठा हुए और जुलूस निकाला। ऑनलाइन व्यापार को बंद करने की मांग कर रहे व्यापारी श्री रामपुर रोड होते हुए जेसीज चैक पहुंचे। मेनरोड, कोतवाली चैक, घासमंडी होते हुए सराफा गली पहुंचकर जुलूस संपन्न हुआ। इस मौके पर जिलाध्यक्ष देवेंद्र साहू शेखर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के आह्वान पर यह जुलूस निकाला गया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन व्यापार के चलते खुदरा दुकानदारों का कारोबार बेहद बुरी तरह प्रभावित हुआ है और दिनों दिन हालत बदतर होती जा रही है। उन्होंने मांग किया कि सरकार ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाए ताकि खुदरा कारोबार को बचाया जा सके। जुलूस में समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष अरशद अंसारी, सुहेल आजमी, मसूद हसन, मनोज अग्रहरि और मुजीब आदि मौजूद रहे।

पूर्वांचल युवा महोत्सव में करन पार्थ का हुआ सेलेक्शन, महोत्सव में अपनी आवाज का बिखेरेंगे जलवा

जौनपुर, (उत्तरशक्ति) शाहगंज का युवा करन पार्थ का चयन पूर्वांचल युवा महोत्सव में गायन के लिए होने पर उनके चाहने वालों की खुशी की लहर दौड़ चली है। ज्ञात हो कि पिछले महीने जौनपुर में होने वाले पूर्वांचल महोत्सव में भाग लेने के लिए करन पार्थ ने ऑडिशन दिया था। करन पार्थ मौजूदा समय में ग्रेजुएशन के छात्र हैं। जो राम अवध गन्ना कृषक पीजी कॉलेज से अध्यनरत है। आपको बताते चलें कि शाहगंज का यह युवा शाहगंज महोत्सव में अपनी आवाज से लोगों का दिल जीत चुका है। क्षेत्र के विभिन्न मंचों से भी करन पार्थ की आवाज लोगों तक पहुंचती है। और संगीत की दुनिया में एक उभरता सितारा शाहगंज का अपना जलवे से लोगों को अपना फैन बनाता चल रहा है। करन पार्थ प्रतिभा के धनी भी है। कोरोना काल में उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में भर्ती कोरोना मरीजों को इस भयभीत समय में भी निशुल्क योग प्रशिक्षण दिया था। जिसके लिए अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर रफीक फारूकी ने उन्हें सम्मानित भी किया था।

08 माह के बच्चे के साथ ने किया गया मिशन शक्ति का प्रचार प्रसार

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशन में मिशन शक्ति विशेष अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी नगर देवेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सुश्री प्रतिमा वर्मा व क्षेत्राधिकारी शाहरूख खाँ के पर्यवेक्षण व नेतृत्व में थानों की महिला कर्मचारियों के अतिरिक्त पुलिस कार्यालय/पुलिस लाइन्स की महिला कर्मी भी मिशन शक्ति के प्रचार प्रसार के लिये आगे आयी है, जिसमे म0आ0 प्रीति कुशवाहा (कार्यालय एसजेपीयू) द्वारा 08 माह को बच्चो के साथ इनकी टीम ने वासुदेव तपेस्वरी बालिका इण्टर कालेज थाना खेतासराय जौनपुर व अभिमन्यु यादव कालेज लपरीसराय थाना सरायख्वाजा में मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत किया बालिकाओ को जागरुक किया और प्रश्नउत्तरी के माध्यम से जानी उनकी समस्या तथा किया उनका निराकरण। इसके साथ साथ स्कूल की महिला अध्यापिका को भी बताया डडरल 1090 के बारे में तथा कमेटी के सदस्यो के बारे मे भी दी जानकारी।

खराब प्रगति पर सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने के साथ ही वेतन रोकने के निर्देश

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर खराब प्रगति वाले विभागों की समीक्षा करते हुए दैनिक विद्युत आपूर्ति में खराब कार्यवाही पर सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण देने के साथ ही वेतन रोकने के निर्देश दिए। डीसी एनआरएलएम द्वारा लोनिंग, सीसीएल आदि में खराब प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। फैमिली आईडी में खराब कार्यवाही पर मुख्य विकास अधिकारी को संबंधित बीडीओ के वेतन रोकने के निर्देश दिए। कार्यदाई संस्थाओं यूपीपीसीएल, यूपीसीएलडीएफ आदि से जनपद में चल रही परियोजनाओं के संदर्भ में जानकारी ली तथा पोषण, निपुण, विद्यालय निरीक्षण, मध्याह्न भोजन, सेतु निर्माण, पीएम विश्वकर्मा योजना, सड़कों के अनुरक्षण आदि की भी समीक्षा की। राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत पेंडेंसी खत्म करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिया कि आईजीआरएस के संदर्भ में अधिकारी, शिकायतकर्ता से संपर्क कर स्थलीय निरीक्षण करें, शिकायतकर्ता फीडबैक से संतुष्ट होना चाहिए। जहां भी सवांधिक शिकायतकर्ता द्वारा असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त होगा तथा स्थलीय भ्रमण नहीं किया जाना पाया गया, संबंधित के विरुद्ध कृत कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अरुण यादव, डीसी मनरेगा, जिला विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

टोल टैक्स को लेकर हौज टोल प्लाजा जमकर हुआ बवाल व मारपीट, मुकदमा दर्ज

रियाजुल हक जिला क्राइम रिपोर्टर

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा पर मंगलवार की शाम को टोल टैक्स को लेकर जमकर बवाल और मारपीट हुई जिससे टोलप्लाजा पर अफरातफरी मच गई। टोल प्लाजा पर तैनात अरुण दुबे पुत्र हुबलाल दुबे निवासी बनकट थाना सुरियावां जनपद भदोही ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि टोलप्लाजा पर चार पहिया वाहन पर सत्यजीत यादव उर्फ मिंटू पुत्र हरिशंकर यादव तथा साहब राज यादव पुत्र स्वर्गीय रतिराम यादव निवासी सुरहुरपुर आये। टोल टैक्स नही देने को लेकर बवाल किये। उसके बाद बिना टोल टैक्स दिए सिरकोनी बाजार की तरफ चले गए उसके बाद बाइकों से कई लोगों के साथ दुबारा आकर टोलप्लाजा कर्मियों को गाली गलौज देने लगे उन लोगों ने सड़क पर लेट कर वाहनों को आने जाने से रोक दिया उसके बाद प्रबन्धक कर कार्यालय पर चढ़कर भी गालियां देने लगे इसके बाद हाथापाई करने लगे इस दौरान डर के कारण टोलप्लाजा पर अफरा तफरी मच गयी उधर सत्यजीत यादव मिंटू के साथ रहे साहबराज यादव का कहना है कि हम मात्र दो किमी दूर बगल के ही गांव सुरहुरपुर के बीडीसी सदस्य है।

हम लोगो के बताने के बाद भी हमारे साथ मारपीट व अभद्रता हुई। हम लोग केवल टोलप्लाजा के पहले कुछ लोग वसूली करते है वह पूछने गए थे। उसके बाद हमारे साथ मारपीट हुई टोलप्लाजा के प्रबंधक बालकृष्ण दुबे ने बताया कि यह लोग कैश कार्यलय तक आकर बवाल कर रहे थे हमारे सीसी टीवी में सब रिकार्ड है। हालांकि दोनो पक्षों की तहरीर पर पांच ज्ञात तथा दो अज्ञात के विरुध्द मुकदमा दर्ज हुआ है। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है सीसी टीवी फुटेज सहित अन्य जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है। वास्तविक दोषी पर कार्यवाही होगी।

उन्नतशील गेहूं की बुआई हेतु किसानों को किया जागरूक, नि:शुल्क बीज वितरित

वाराणसी, (उत्तरशक्ति)। राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के टडिया निवासी प्रगतिशील किसान श्री प्रकाश सिंह रघुवंशी ने गेहूं की बुवाई समय आ रहा है जिसके लिए गांव गांव जाकर किसानों को कुदरत अन्नपूर्णा और गेहूँ कुदरत 9 उन्नतशील गेहूं के बीज का पैकेट नि:शुल्क वितरण किया तथा परीक्षण के लिए उन्नत सील प्रजाति के अधिक पैदावार होने वाले कुदरत अन्नपूर्णा और गेहूँ कुदरत 9 उन्नतशील गेहूं की बुवाई करने तथा बीज से बीज तैयार करने हेतु जागरूक किया प्रगतिशील किसान प्रकाश सिंह रघुवंशी ने बताया कि गेहूँ की विकसित नई प्रजाति सलेक्शन कुदरत अन्नपूर्णा अधिक पैदावार देगी इसका पौधा छोटा होने की वजह से तेज आंधी तूफान में भी पौधा नहीं गिरेगा बाल की लम्बाई 10 से 12 इंच दाना मोटा लम्बा चमकदार एक बीज से 50 शाखाए निकलते हैं 9इंच - 9इंच पर एक बीज लगाना हैं इसकी पत्तियाँ लम्बी और चौड़ी होती है गहरे हरे रंग का होता हैं। प्रकाश संकषण द्वारा पौधा अपनी खुराक भरपूर मात्रा में लेती रहती हैं यह देशी बीज हैं।

देर रात थाने के कांस्टेबल समेत दो लोग सड़क हादसे में हुए घायल

उपचार के लिए भेजा गया ज़िला चिकित्सालय

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र अंतर्गत भकुरा मोड़ के पास मंगलवार की रात करीब 9 बजे दो बाइकों में आपस में टक्कर हो गई। जिसमें एक कांस्टेबल समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। कांस्टेबल अरुण चौहान गस्त के बाद थाने की तरफ जा रहे थे। विपरीत दिशा से बाइक पर सवार दो युवक पूर्वांचल विश्वविद्यालय की तरफ लौट रहे थे। अचानक दोनों बाइक में आमने-सामने टक्कर हो गई। जिसमें बाइकों से छिटककर तीन लोग सड़क पर गिर गये। वहां से जा रही वाहनों ने एकाएक कंट्रोल किया, जिससे कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। मऊ जिले के निवासी कांस्टेबल अरुण चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए, दूसरी ओर कुंदन एवं किशन निवासी देवकली घायल हो गए। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले गए। जहां घायलों का उपचार शुरू हुआ लेकिन एक की हालत नाजुक बनी हुई है। उधर पुलिस ने छतिग्रस्त बाइक कब्जे में ले लिया और घायलों को उपचार के साथ मामले की छानबीन में जुट गई।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं एकेडमी का रोहनिया विधायक ने किया भूमि पूजन

◆ लोहरापुर में 417.89 लाख की लागत से 1 साल में होगा तैयार

वाराणसी। (उत्तरशक्ति)। लोहता-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने वाराणसी दौरे के दौरान 20 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र के लोहरा पुर गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का शिलान्यास किया था इसी क्रम में बुधवार को दोपहर बाद रोहनिया विधानसभा के लोहरा पुर गांव में अपना दल एस के विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने 417.89 लाख की लागत से बनने वाले कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं एकेडमी का विधि विधान के साथ भूमि पूजन कर किया शुभारंभ। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन अनुप्रिया पटेल के आशीर्वाद से हमारे विधानसभा के लोहरापुर गांव में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय एवं अकादमी का निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है एक साल में यह बनकर तैयार हो जाएगा। इस विद्यालय के बन जाने से हमारे आसपास के विधानसभा के छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा यह विद्यालय सभी सुविधाओं से लैस होगा उन्होंने बताया की कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग प्रखंड वाराणसी के देखरेख में गुणवत्ता पूर्ण बनेगा। निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉक्टर महेंद्र पटेल ने कहा कि यह विद्यालय जब बनकर तैयार हो जाएगा विद्यालय में बालिकाओं को रहने खाने एवं शिक्षा का अलख जगेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से अपना आदर्श के जिला अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल अपना दल के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र शर्मा, कार्यालय प्रभारी राजकुमार पटेल विधानसभा अध्यक्ष बसंत पटेल ग्राम प्रधान संतोष पटेल संजय यादव शशिकांत यादव नेहरू यादव और अभियंता इंजीनियर अमरेश बिना सहायक अभियंता इंजीनियर शेखर शरण महिला मंच की नेता अनीता पटेल सहित तमाम लोगें उपस्थित रहे।

एमएलसी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ने मनाया राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस एवं वीरांगना रानी चेन्नम्मा की जयंती

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी, (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर चितईपुर स्थित अपने आवास पर बुधवार को पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ विधान परिषद सदस्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने सभी आयुर्वेद चिकित्सकों और वैद्यों को की हार्दिक शुभकामना देते हुए। आयुर्वेद तथा वैद्यक शास्त्र के देवता भगवान धन्वंतरि आप सभी को आरोग्य का वरदान दें तथा सबके जीवन में ऋद्धि-सिद्धि, सुख व समृद्धि का नवसंचार की कामना की। इसके अलावा नारी शक्ति की प्रतीक, महान स्वतंत्रता सेनानी वीरांगना रानी चेन्नम्मा की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करते हुए कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ बगावत में अपूर्व शौर्य का प्रदर्शन कर भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनी देश सदैव आपका ऋणी रहेगा।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी समारोह का संस्कृत महाविद्यालय में हुआ आयोजन

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। आदर्श श्री वासुदेव संस्कृत महाविद्यालय गुतवन के प्रांगण में बुधवार के दिन एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन हुआ जहां भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. रवि शंकर पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि परमानंद सिंह उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं पंचम मंडल वाराणसी एवं विशिष्ट अतिथि में डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र प्राचार्य रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. हीर कांति चक्रवर्ती संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी ने की संगोष्ठी में विभिन्न जनपदों से आए हुए विद्वानों ने अपना वक्तव्य दिया जिनमें प्रमुख उद्बोधन विद्यालय के प्राचार्य डॉ रविंद्र पाण्डेय ने दिया वही अन्य वक्ताओं में विशिष्ट द्विवेदी, डॉ. शिवाकांत मिश्र, डॉ. खगेंद्र मिश्रा, रामचंद्र चौबे, डॉ. संजय सिंह गौतम, डॉ. आलोक मिश्रा, अजय सिंह, रामसुंदर, पुरुषोत्तम प्रमुख रहे वही उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने कहा की संस्कृत का ज्ञान आज के पश्चात माहौल में अत्यंत आवश्यक है। जिससे भारतीय संस्कृति बची रहे और हमारा भारत वर्ष विश्व गुरु बना रहे वही सभी विद्यालयों में संस्कृत भाषा का अध्ययन अध्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए अंत में विद्यालय के प्रबंधक संजीव कुमार सिंह ने सभी आए हुए विशिष्ट अतिथियों एवं विद्यालय के समस्त अध्यापक प्रधानाचार्य के प्रति आभार प्रकट किया कार्यक्रम के संयोजक प्रवेश कुमार तथा संचालन पवन तिवारी द्वारा किया गया।

वर्दीधारी ठगों को किया पुलिस के हवाले

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के सबरहद नजीराबाद में पुलिस की वर्दी में आए ठगों को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवक जोर जोर से लोगों का दरवाजा खटखटा रहे थे। मौके पर भीड़ जुटी तो चंदा मांगने का बहाना बनाने लगे। स्थानीय लोगों ने युवकों को पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक नजीराबाद स्थित वी मार्ट के पीछे रिहायशी कॉलोनी है। मंगलवार को सुबह करीब साढ़े 10 बजे पुलिस की वर्दी पहने कुछ लोग अचानक घरों का दरवाजा तेजी से पीटने लगे। कुछ देर में वहां स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए। पूछे जाने पर पता चला कि सभी फर्जी पुलिस वाले है। उन सभी ने चंदा मांगने की बात कही। फर्जी पुलिसकर्मी होने का पता चला तो लोग आक्रोशित हो उठे। युवकों को स्थानीय कोतवाली लेकर आए और पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि थाना प्रभारी और क्षेत्राधिकारी ने मामले की जानकारी से इंकार किया।

लंदन के सांसद एवं कैबिनेट मंत्री उ.प्र.का प्रभाकर सी शुक्ल ने किया स्वागत

मुंबई। जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि युवा उद्यमी प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने दिल्ली स्थित पांच सितारा होटल में लंदन के यूनाइटेड किंगडम से सांसद लॉर्ड रामी रेंजर एवं उ.प्र.के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, पूर्व सांसद प्रवीण निषाद, तथा लंदन के यूनाइटेड किंगडम के सांसद लॉर्ड रामी रेंजर से पुष्प गुच्छ देकर सदिक्षा भेंट किया। साथ में जयसिंहपुर के विधायक राज बाबु उपाध्याय, गुड्डु उपाध्याय की मौजूदगी मे राजनिति तथा उत्तर प्रदेश मे रोजगार संबंधित विषयों को लेकर चर्चाएं हुई।

उपनिदेशक ने की ब्लॉक अधिकारियों के साथ बैठक

झुंझुनूं (उत्तरशक्ति)। आयुर्वेद विभाग के जिला कार्यालय में बुधवार को उपनिदेशक डॉ. रमेश कुमार शर्मा ने सभी ब्लॉक नोडल अधिकारियों के साथ एक आवश्यक बैठक की। जिसमे विभाग के औषधालयों की स्थिति और अभाव के बारे में सभी से जानकारी ली तथा विभागीय सूचनाओं के आदान प्रदान और आदेशों की पालना को सुनिश्चित करने हेतु राय जानी। इस दिशा में विस्तृत चर्चा करते हुए सुधार की महती आवश्यकता बताई। इसके अलावा सभी से अपने अपने ब्लॉक के अभाव अभियोग भी जाने। उपनिदेशक के द्वारा आहूत की गई इस मीटिंग में संभागीय आरोग्य मेला को झुंझुनूं में आयोजित करवाने, क्षार सूत्र का कैंप किसी ब्लॉक स्तर पर आयोजन करने की मंशा जताई और इस संदर्भ में सभी से राय ली गई। इस बार धनवंतरी जयंती के अवसर पर प्रत्येक ब्लॉक से अच्छा कार्य करने वाले एक चिकित्सक,एक नर्स - कंपाउडर व एक परिचारक और एक योग इंस्ट्रक्टर को सम्मानित कराने हेतु उनके नाम शीघ्र भेजने के लिए सभी ब्लॉक नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इस मीटिंग के दौरान डॉ.विनोद कुमार शर्मा, डॉ.कमलेश शर्मा,डॉ.अश्विनी कुमार, डॉ.ध्रुव प्रकाश,डॉ. राजेंद्र कुमावत व डॉ.श्रवण कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

टाटा मोटर्स ने कस्टमर केयर महोत्सव का उद्घाटन किया

नवी मुंबई। भारत के सबसे बड़े कमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने अपने कस्टमर केयर महोत्सव 2024 को लॉन्च कर दिया है। कमर्शियल वाहन के उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव बनाने वाला यह कार्यक्रम 24 दिसंबर 2024 तक चलेगा। इस अनूठे महोत्सव का आयोजन देशभर में 2500 से ज्यादा अधिकृत सेवा केंद्रों पर किया जाएगा। इसमें कमर्शियल वाहनों के मालिक और ड्राइवर एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण चर्चाएं करेंगे। इस कार्यक्रम के तहत, ग्राहक कई लाभ उठा सकते हैं। वह प्रशिक्षित तकनीशियन से गाड़ियों की पूरी जांच करा सकते हैं, और उन्हें कई अतिरिक्त सेवाओं का तक पहुंच भी मिलेगी। ड्राइवरों को सुरक्षित और ईंधन बचाने वाले ड्राइविंग के तरीके सिखाने के लिए विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, अपनी संपूर्ण सेवा 2.0 पहल के तहत कई विशेष रूप से तैयार पेशकशें भी मिलेंगी। टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गिरीश वाघ ने कस्टमर केयर महोत्सव 2024 एडिशन का उद्घाटन करते हुए कहा, हम इस साल कस्टमर केयर महोत्सव को दोबारा लाकर काफी उत्साहित हैं। इसकी शुरुआत 23 अक्टूबर से हो रही है। इस दिन का हमारे लिए खास महत्व है क्योंकि हमने 1954 में अपना इसी दिन पहला कमर्शियल वाहन बेचा था। अब हम इसे कस्टमर केयर डे के रूप में मनाते हैं। यह महोत्सव उपभोक्ताओं को बेहतरीन सर्विस देने की हमारी प्रतिबद्धता को दशाता है। इसमें गाड़ियों की अच्छी तरह जांच की जाएगी और ग्राहकों को कई और लाभ भी मिलेंगे। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह महोत्सव हमारे सभी उपभोक्ताओं की जिंदगी में खुशियां बिखेरे, चाहे वे देश के किसी भी हिस्से में रहते हों। इससे हम अपने सभी साथियों और हितधारकों से अपने रिश्ते और मजबूत करना चाहते हैं। हम सभी ग्राहकों को अपने नजदीकी टाटा ऑथोराइज्ड सर्विस सेंटर पर आने के लिए आमंत्रित करते हैं और मुझे पूरा यकीन है कि इस पहल से उनके बिजनेस को बहुत मदद मिलेगी।

बिटिया ट्विंकल की लिखी फिल्म की हीरोइन बनीं डिंपल कपाड़िया, दामाद अक्षय कुमार के साथ पहुंची प्रीमियर पर

मुंबई फिल्म फेस्टिवल में ग्यो नोनी गो फिल्म का प्रीमियर हुआ। प्रीमियर के दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद रही। दिग्गज अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया ने प्रीमियर में अपने दामाद अक्षय कुमार के साथ शिरकत की। इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया ने मुख्य भूमिका निभाई है और इसे इसे ट्विंकल खन्ना ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है। ग्यो नोनी गी की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने पचास की उम्र में पहुंच चुकी है। जिसकी साथी केवल उसकी बहन है। कहानी में जब एक योग शिक्षक की एंट्री होती है तब एक अप्रत्याशित रोमांस को जन्म देता है, जो सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है। यह फिल्म ट्विंकल खन्ना की लघु कहानी सलाम नोनी अप्पा से रूपांतरित है और रूढ़ियों को तोड़ने और जीवन को पूरी तरह से जीने पर एक हल्की-फुल्की टिप्पणी के रूप में कार्य करती है। डिंपल कपाड़िया और आयशा रजा प्यारी बहन नोनी और बिन्नी का किरदार निभा रही हैं, जो मध्यम आयु वर्ग की भारतीय महिलाओं के अलग-अलग अनुभवों को दिखाती हैं। फिल्म में मानव कौल, आयशा रजा और अथिया शेट्टी भी हैं। इसे सोनल डबराल और निखिल सचान ने लिखा है और सोनल डबराल ने निर्देशित किया है। हाल ही में फिल्म का मोशन पोस्टर भी जारी किया गया है।

23 अक्टूबर को मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के पांचवें दिन इसका प्रीमियर किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी कास्ट ने शिरकत की। फिल्म के प्रीमियर में अक्षय कुमार, डिंपल कपाड़िया, ट्विंकल खन्ना, मानव कौल, सयानी गुप्ता और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस पैनकार्डिया हॉस्पिटल ने मनाया अपना चौथा वर्षगांठ

पटना(उत्तरशक्ति)। कंकरबाग स्थित पैनकार्डिया हॉस्पिटल ने बड़े ही हर्षोल्लाष के साथ अपना चौथा वर्षगांठ मनाया। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने आगत अतिथियों व मरीजों संग केक काटकर वर्षगांठ का जश्न मनाया। पैनकार्डिया हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. संतोष पांडेय, प्रबंध निदेशक डॉ. सुरुचि पांडेय व निदेशक डॉ. राजू कुमार ने कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील कुमार (निदेशक आईजीआईसी), डॉ. सहजानंद सिंह (रजिस्ट्रार, बिहार मेडिकल काउंसिल), डॉ. के के वरुण (अपर निदेशक, आईजीआईसी), पद्मभूषण डॉ. आर एन सिंह, डॉ. ओम प्रकाश साह को बुके देकर स्वागत किया। मौके पर उपस्थित पैनकार्डिया हॉस्पिटल के हार्ट सर्जन एवं चेयरमैन डॉ. संतोष पांडेय ने हॉस्पिटल की अपनी पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा की आज आपके मरीजों के प्रति निस्वार्थ सेवा भाव के बदौलत यह हॉस्पिटल नई ऊंचाइयों को छू रहा है। डॉ. संतोष पांडेय ने बताया कि पैनकार्डिया हॉस्पिटल बिहार का पहला हॉस्पिटल है जहाँ हार्ट एवं फेफड़ों की सर्जरी कम चीरे एवं दूरबीन से की जाती है जो पहले दिल्ली और वेल्लोर में की जाती थी। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री राहत कोष से हार्ट एवं अन्य सभी सर्जरी बिलकुल मुफ्त में की जाती है। उन्होंने बताया कि हमारा हॉस्पिटल एनएबीएच, क्यूसीआई एवं आईएसओ से प्रमाणित है। वहीं अपने संबोधन में पैनकार्डिया हॉस्पिटल की प्रबंध निदेशक एवं ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरुचि पांडेय ने बताया कि इस हॉस्पिटल में हम मरीजों को सीजीएचएस, सीएम रिलीफ फंड, ईसीएचएस, आयुष्मान भारत, पीएसयू, हेल्थ इंसुरेंस, टीपीए व सरकार के द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य संबंधी कई योजनाओं की सुविधाएं भी देते हैं जिससे उन्हें बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध हो सके। जबकि हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राजू कुमार ने कहा कि पैनकार्डिया हार्ट एंड मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मरीजों के लिए कॉर्डियक सर्जरी, कार्डिओलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, न्यूरो सर्जरी, जेनरल सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, स्पाइन एंड ऑर्थोपेडिक्स, ऑन्कोलॉजी, हेमोडिएलाइसिस जैसे गंभीर बिमारियों के बेहतर ईलाज की सुविधा कम खर्च में उपलब्ध है।

सोनम कपूर ने पति संग मिलकर ली मुंबई में करोड़ों की प्रॉपर्टी

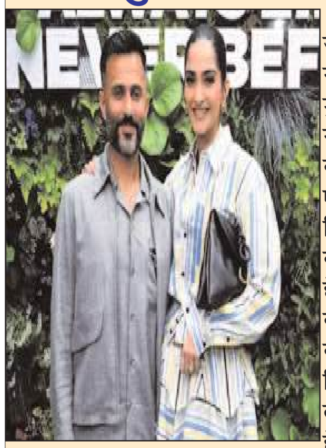

सोनम कपूर फिल्मों के जरिए जो भी कमाई करती हैं, उसे बड़ा सोच-समझकर निवेश करती हैं। मुंबई में उनके पास पहले से कई सारी प्रॉपर्टीज हैं जिनकी कीमत करोड़ों में है। हाल ही में सोनम ने एक और प्रॉपर्टी अपने पति के साथ मिलकर ली है। इस प्रॉपर्टी की कीमत सुनकर लोग हैरान हो सकते हैं। सोनम मुंबई में जिस नई प्रॉपर्टी की मालकिन बनी हैं, उसकी कीमत करोड़ों में है। कहा जा रहा है कि उनकी नई प्रॉपर्टी की कीमत लगभग 4 हजार 18 करोड़ रुपए है। यह प्रॉपर्टी असल में एक स्टोर है, जिसका नाम रिदम है। आगे इस प्रॉपर्टी का सोनम क्या करेंगी? इसका इस्तेमाल कैसे करेंगी? अभी यह बात स्पष्ट नहीं हुई है। सोनम कपूर ने जो नई प्रॉपर्टी मुंबई में खरीदी है। उसके पुराने मालिक नीरव मोदी थे। बैंक से अधिक कर्ज लेने के कारण नीरव के हाथ से यह प्रॉपर्टी चली गई। अब उनकी यह प्रॉपर्टी सोनम कपूर और उनके बिजनेसमैन पति आनंद ने खरीद ली है। इस प्रॉपर्टी को पाकर दोनों काफी खुश भी हैं। सोनम कपूर के पास सिर्फ भारत में ही नहीं लंदन में भी प्रॉपर्टी है। यह प्रॉपर्टी उनके पति आनंद अहूजा के पिता ने लंदन में ली थी और सोनम, आनंद को गिफ्ट की थी। इस प्रॉपर्टी की कीमत भी करोड़ों में बताई जाती है । सोनम समय-समय पर अपनी लंदन वाली प्रॉपर्टी में रहने के लिए भी जाती हैं।

देश के समुचित विकास के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों का प्रचार-प्रसार जरुरी: चंद्र कुमार बोस

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दादर स्थित आरजू निवारा सभा गृह में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों पर आधारित जय हिंद सैनिक संस्था द्वारा आयोजित सभा में नेताजी के पौत्र चंद्र कुमार बोस ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस अवसर पर उनका और उनकी धर्म पत्नी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व उप महापौर और निवारा बैंक के अध्यक्ष एवम आरजू स्वाभिमान संगठना के ट्रस्टी बाबूभाई भवानजी और आरजू स्वाभिमान संगठना के अध्यक्ष राजेन्द्र मेहता ने भव्य स्वागत किया। बंगाल/कोलकाता से पधारे हुऐ चंद्रकुमार बोस ने अपने भाषण मे कहा कि नेता जी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में जाति, धर्म का कोई भेद नहीं था। वहां हर सैनिक देश भक्त था और देश के कल्याण के बारे में सोचता था। आज भी हमें भारतीय बनकर देश सेवा के बारे में ही सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि नेता जी राजनीति में परिवारवाद के खिलाफ थे और उनका मानना था कि देश के विकास के लिए योग्य लोगों को ही आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने सैनिक संस्था के अभियान और मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि देश के समुचित विकास के लिए नेता जी के विचारों का प्रचार प्रसार बहुत जरुरी है। चंद्र कुमार बोस ने निवारा और आरजू के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि बाबूभाई भवानजी और राजेन्द्र मेहता हाउसिंग, फाइनेंस, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो काम कर रहे हैं वह बहुत ही सराहनीय है। सभी लोगों को उनके अभियान से जुड़कर गरीब और कमजोर लोगों को आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए। जय हिंद सैनिक संस्था के वरिष्ठ अधिकारी मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबुभाई भवानजी ने बताया कि आजाद भारत के प्रथम प्रधान मंत्री नेताजी सुभाष चंद्र बोस के कारण हमें आजादी मिली। उनका नारा था तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा। उनकी जय हिंद फौज में साठ हजार सैनिक थे। उनके कारण ही अंग्रेजों को भागना पड़ा। उन्होनें उपस्थित लोगों से सवाल किया वाकईमे हम आजाद हुए हैं क्या..? आज देश मे कुर्सी पे बैठे अधिकारी अपने आपको अंग्रेज समझ रहा है वो जनता को तुच्छ समझते हैं। रिश्वत लिए बिना काम नही करते, और लोक प्रतिनिधी अपना कर्तव्य नहीं निभाते, देश मे नशा का प्रयोग बरता जा रहा है, आज भी कुछ लोग देश के विरुद्ध काम कर रहे है। देश मे कुछ लोग अपने फायदेके लिए लोगो को गुमराह कर रहे है। आरजू स्वाभिमान संगठना के अध्यक्ष राजेंद्र महेता ने सभी को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल बनाने की सलाह देते हुए कहा कि सभी लोग अपने आई टी रिटर्न भरेंगे तो ही सरकार आपके लिए अच्छी तरह बजट प्रोविजन कर सकेगी।अब पूरे देश मे यह जनजागृति अभियान छेड़ेंगे। संगठ के सचिव श्री सुरेन्द्र मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में नेताजी के विचारों पर चलकर ही देश का सर्वांगीण विकास किया जा सकता है। संगठन के अध्यक्ष पंजाबरावजी मुध'ने ने आभार प्रकट किया और आगे होने वाले कार्यक्रम की रूप रेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

रामलीला मंचन में उमड़ रही है रामभक्तों की भीड़

मुंबई। आदर्श रामलीला समिति काटन ग्रीन पूर्व द्वारा राम मंदिर प्रांगण में आयोजित रामलीला में रामभक्तों की भीड़ उमड़ रही है। कल अंगद रावण संवाद के दौरान मुंबई जगत के प्रख्यात पूर्व मंत्री चंद्रकांत त्रिपाठी, एनसीपी और पवन त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष, सिद्धिविनायक मंदिर रामलीला महोत्सव में आकर हमारा मान बढ़ाया। इसी दौरान राधेश्याम मिश्राजी, अध्यक्ष, रामलीला समिति कॉटन ग्रीन ने इनको शाल और स्मृति चिन्ह देके स्वागत किए। समिति के अन्य सदस्य उमाशंकर पांडे, प्रदीप मिश्रा, रामकृष्ण पांडे आए हुए सभी रामभक्तों का स्वागत किए।

डॉ. शिवम तिवारी को आचार्य नागराज नागप्पा शिखर सम्मान

हिन्दी के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए किए गए पुरस्कृत

-आदेश मिश्र

मुंबई। आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापटनम के हिंदी विभाग के प्रो.जी सुंदर रेड्डी हिंदी सभागार में आयोजित सारस्वत समारोह में हिंदी भाषा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. शिवम तिवारी को आचार्य नागराज नागप्पा शिखर सम्मान-24 से सम्मानित किया गया. नई शिक्षा नीति के अनुरूप सीबीएसई एवं आईसीएसई की कक्षा 5 के पाठ्यक्रम में डॉ. तिवारी द्वारा जीवनी पर आधारित लेख को शामिल किया गया है। डॉ. संतोष द्वारा इग्नू से डॉ. तिवारी के साहित्य पर प्रोजेक्ट वर्क भी किया जा रहा है। साथ ही इनके साहित्य पर कई विश्वविद्यालयों में प्रोजेक्ट कार्य लिए जा रहे हैं। सम्मान समारोह में चर्चित प्रवासी साहित्यकार डा. सुरेश चंद्र शुक्ल 'शरद आलोक' (नॉर्वे), साहित्य भूषण प्रो. महेश दिवाकर, अवधि साहित्य संस्थान के अध्यक्ष प्रो. अर्जुन पांडेय, विशाखा परिषद के अध्यक्ष आचार्य एस. एम. इकबाल, प्राचार्य एवं हिंदी विभाग के अध्यक्ष (आंध्र विवि) प्रो. ए. नरसिम्हा राव, पूर्व आचार्य एस. शेषारत्नम, हिंदी विभाग आंध्र विवि. की आचार्य जे. विजया भारती, सेंट जोसेफ महिला कॉलेज की हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. पी के जयलक्ष्मी, गायत्री विद्या परिषद कालेज फर डिग्री एण्ड पी जी कोर्सेस (ए) की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अनीता, बी वी के डिग्री कॉलेज की हिंदी विभागाध्यक्ष मो. जेबुन्निसा, समाजसेवी शालिनी तिवारी, डॉ. के शांति, केंद्रीय शिक्षण मंडल के सहायक निदेशक आरुणि त्रिवेदी, भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी कैप्टन अनुराग राघव, गीतकार हरिनाथ शुक्ल हरि, डा. संतोष कुमार, डॉ. जे. पी. सिंह, युधिष्ठिर पांडेय एवं डा. नूरी राघव आदि विद्वान उपस्थित रहे। सम्मान स्वरूप शाल एवं सम्मान पत्र प्रदान किया गया. गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद के अन्तू निवासी, 23 पुस्तकों के लेखक, लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार, बहुआयामी काव्य-प्रतिभा के धनी, केंद्र सरकार में पदस्थ एवं महज 32 वर्ष की उम्र में अनेक उपलब्धियों को अपने नाम कर चुके डॉ. शिवम तिवारी को यह सम्मान हिंदी विभाग, आंध्र विवि एवं विशाखा हिंदी परिषद द्वारा दिया गया।

पूंजी वृद्धि और बढ़ते किराये ने भारतीय रियल एस्टेट में निवेशकों के विश्वास को बढ़ाया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। पूंजी वृद्धि और बढ़ते किराये से घर खरीदारों की भावना लगातार मजबूत होती जा रही है, जैसा कि मैजिकब्रिक्स के नवीनतम हाउसिंग सेंटिमेंट इंडेक्स से पता चला है। 2100 से अधिक ग्राहकों के सर्वेक्षण पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार, ग्राहकों की घर खरीदने की भावना पिछले 6 महीनों (अप्रैल से सितंबर 2024) में 149 से बढ़कर 155 हो गई है।

निवेशकों की भावना नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भी उल्लेखनीय रूप से मजबूत रही,जहां दोनों का ल्टरक स्कोर 163 दर्ज किया गया, जबकि गुरुग्राम, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे शहर क्रमशः 160 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसके विपरीत, दिल्ली, बेंगलुरु और मुंबई जैसे बाजारों में भावना अपेक्षाकृत कम रही, जो संभवत बढ़ती संपत्ति की बढ़ती कीमतों के कारण हो सकता है। मैजिकब्रिक्स के शोध प्रमुख, अभिषेक भद्रा, ने रिपोर्ट के निष्कर्षों का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया।

मजबूत हाउसिंग सेंटिमेंट इंडेक्स रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ते विश्वास को दशार्ता है, जो बढ़ती आय और वित्तीय स्थिरता जैसे कारकों से प्रेरित है। खासतौर पर लक्जरी सेगमेंट में रुचि बढ़ रही है, और निवेशक निवेश पर रिटर्न, बढ़ते किराये और संपत्ति स्वामित्व की दीर्घकालिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आगे भी यह रुझान जारी रहेगा, जो शहरीकरण, बढ़ती आय और आवासीय मांग को बढ़ावा देने वाली सरकार की अनुकूल नीतियों से प्रेरित होगा। सर्वेक्षण ने लक्जरी सेगमेंट में घर खरीदारों और निवेशकों के बीच बढ़ते विश्वास को भी उजागर किया, जहां 3.5-5 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों ने 162 का ल्टरकस्कोर दिखाया। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि निमार्णाधीन संपत्तियों के लिए ल्टरक स्कोर अप्रैल 2024 में 157 से बढ़कर सितंबर 2024 में 161 हो गया, जो आगामी विकास परियोजनाओं की ओर ग्राहकों के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी समारोह का संस्कृत महाविद्यालय में हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आदर्श श्री वासुदेव संस्कृत महाविद्यालय गुतवन के प्रांगण में बुधवार के दिन एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन हुआ। जहां भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. रवि शंकर पाण्डेय, विशिष्ट अतिथि परमानंद सिंह उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाएं पंचम मंडल वाराणसी एवं विशिष्ट अतिथि में डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र प्राचार्य रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. हीर कांति चक्रवर्ती संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी ने की। संगोष्ठी में विभिन्न जनपदों से आए हुए विद्वानों ने अपना वक्तव्य दिया जिनमें प्रमुख उद्धबोधन विद्यालय के प्राचार्य डॉ रविंद्र पाण्डेय ने दिया वही अन्य वक्ताओं में विशिष्ट द्विवेदी, डॉ. शिवाकांत मिश्र, डॉ. खगेंद्र मिश्रा, रामचंद्र चौबे, डॉ. संजय सिंह गौतम, डॉ. आलोक मिश्रा, अजय सिंह, रामसुंदर, पुरुषोत्तम प्रमुख रहे। वही श्री उमा महेश्वर संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ज्ञान प्रकाश मिश्र ने कहा की संस्कृत का ज्ञान आज के पश्चात माहौल में अत्यंत आवश्यक है। जिससे भारतीय संस्कृति बची रहे और हमारा भारत वर्ष विश्व गुरु बना रहे वही सभी विद्यालयों में संस्कृत भाषा का अध्ययन अध्यापन अनिवार्य रूप से किया जाए। अंत में विद्यालय के प्रबंधक संजीव कुमार सिंह ने सभी आए हुए विशिष्ट अतिथियों एवं विद्यालय के समस्त अध्यापक प्रधानाचार्य के प्रति आभार प्रकट किया कार्यक्रम के संयोजक प्रवेश कुमार तथा संचालन पवन तिवारी द्वारा किया गया। यह जानकारी प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से एल एस सिंह ने दी है।

एचडीएफसी बैंक समूह ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स 2024 के विजेताओं की घोषणा की

पटना (उत्तरशक्ति)। एचडीएफसी बैंक समूह ने एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स -2024 के विजेताओं की घोषणा कर दी है। एचडीएफसी टेक इनोवेटर्स -2024 एचडीएफसी बैंक समूह की कंपनियों - एचडीएफसी एएमसी, एचडीएफसी एर्गो, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी सिक्योरिटीज की एक संयुक्त पहल है और प्रौद्योगिकी से संबंधित स्टार्ट-अप उपक्रमों के लिए नवाचारों और अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एचडीएफसी कैपिटल और एचडीएफसी बैंक द्वारा इसका नेतृत्व किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक पी. वासुदेवन ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। मुख्य वक्ताओं में एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड (पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग) पराग राव, एचडीएफसी एएमसी के एमडी और सीईओ नवनीत मुनोत, एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एमडी और सीईओ धीरज रेली, एचडीएफसी लाइफ की एमडी और सीईओ विभा पडलकर, एचडीएफसी एर्गो के एमडी और सीईओ अनुज त्यागी, फूड मार्केटप्लेस स्विगी के सीईओ रोहित कपूर, जोहो के सह-संस्थापक कुमार वेम्बू, योरस्टोरी मीडिया की संस्थापक और सीईओ श्रद्धा शर्मा, बिलडेस्क के संस्थापक निदेशक अजय कौशल, अपग्रेड के सह-संस्थापक और एमडी मयंक कुमार शामिल थे।इस कार्यक्रम में अग्रणी उद्यम पूंजीपति, यूनिकॉर्न संस्थापक, उद्योग के नेता और शिक्षाविद भी शामिल हुए।